• जयपुर, शनिवार, 3 अगस्त 24 • वर्ष 13 • अंक 336 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1 रुपये

www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्याः RJ/JPC/D19/2024-25

RNI. No. RAJHIND/2011/40950

दैनिक

राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

चमकता राजस्थान

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''

● **स्वामी विवेकानंद**

पेज @3 भव्य समारोह में शनिवार को कार्यभार ग्रहण करेंगे मदन राठौड़...

पेज @4 जिला कलक्टर ने जलभराव प्रभावित क्षेत्रों में स्थापित शेल्टर होम्स...

पेज @8 » राज्य सरकार पेयजल से जुड़ी हर समस्या के समाधान के लिए....

मंत्री बनने के आठ महीने बाद भी जलदाय विभाग में फैला हुआ है भ्रष्टाचार, जिम्मेदार कौन ?

चमकता राजस्थान

जयपुर। जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने विधानसभा में माना है कि उनके विभाग में भ्रष्टाचार फैला हुआ है। पानी पर बहस का जवाब देते हुए कहा- मैं 40 अफसरों को सस्पेंड कर चुक ा। अगर मैं अंदर तक गया तो मेरे विभाग में एक भी नहीं बचेगा,इस लेवल का भ्रष्टाचार है।

कन्हैया लाल चौधरी को जलदाय मंत्री का विभाग संभाले आठ महीने होने को आए अब भी वे विभाग में भ्रष्टाचार की कर रहे हैं, अब बालाजी स्वयं तो भ्रष्टाचार मिटाने आएंगे नहीं मौक़ा मंत्री जी को मिला तो मंत्री ही विभाग के बालाजी हैं उन्हें ही भ्रष्टाचार के ख़िलाफ़ क़दम उठाना होगा ओर इसमें देरी करने से विभाग को और स्वयं को ही नुक़सान होगा क्योंकि मंत्री पद पाँच साल का नहीं होता,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भ्रष्टाचार के विरुद्ध सीना तान कर खड़े हैं और उनके साथ क़दम मिलाकर नहीं चलने वाले मंत्री या विधायक का कोई पंचवर्षीय कार्यकाल नहीं होता!

जलदाय मंत्री ने ये भी कहा कि ज्यादा मैं कह नहीं सकता,मेरे पास विभाग है, मुझे विभाग को भी चलाना है। तो मंत्री विभाग में कई बेदाग़ कर्मचारी अधिकारी हैं जो सुदूर ज़िलों में सालों से पड़े हैं उन्हें काम पर लगाइए,विभाग चलाने के लिए और पारदर्शिता लाने के लिए बोलने से काम नहीं चलेगा काम करके दिखाना होगा।

इसके साथ ही पानी पर बोलते हुए मंत्री ने कहा- हम बिजली पैदा कर सकते हैं, लेकिन पानी पैदा नहीं कर सकते। पानी खत्म हो जाएगा तो बालाजी महाराज ही वापस ला सकते हैं। मंत्री ने कहा- कांग्रेस राज में जल जीवन मिशन में भ्रष्टाचार हुआ। पानी योजना बना दी गई, पता ही नहीं उनमें पानी कहां से आएगा? केंद्र सरकार ने जल जीवन मिशन में जो फंड दिया, उसका 20 फीसदी ही खर्च कर सके थे।

कन्हैयालाल चौधरी ने कहा- आने वाले समय में पानी की बहुत बड़ी तकलीफ होने वाली है। जलवायु परिवर्तन हो रहा है। पोंग बांध (हिमाचल प्रदेश) और दूसरे बांधों में पानी कम हो रहा है। पोंग बांध में कम पानी चिंताजनक है। मैं तो कहूंगा कि बालाजी महाराज जल्दी इनको भर दें, नहीं तो आने वाले समय में यह समस्या बहुत विकराल होने वाली है। आने वाले समय में हम इस पर कदम उठाएंगे।

मंत्री चौधरी ने कहा- बीसलपुर में पानी की समस्या का स्थायी समाधान करने के लिए ब्राह्मणी नदी से पानी लाने की पूर्ववर्ती भाजपा सरकार में 6000 करोड़ की योजना तैयार हुई थी। पिछली कांग्रेस सरकार ने 5 साल तक इस पर कोई ध्यान नहीं दिया। इस योजना का फिर से प्लान तैयार कराया गया है, जिस पर करीब 8000 करोड़ रुपए खर्च होंगे।

जलदाय मंत्री ने कहा- हम बिजली पैदा कर सकते हैं, लेकिन पानी पैदा नहीं कर सकते। पानी खत्म हो जाएगा तो बालाजी महाराज ही वापस ला सकते हैं। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा कमेंट कर रहे थे, बार-बार बालाजी महाराज को टारगेट कर रहे थे। सिर्फ एक वर्ग विशेष को खुश करने के लिए इन्होंने बालाजी पर ही विश्वास करना छोड़ दिया।

जलदाय मंत्री ने विभाग में खाली पड़े पदों पर जल्द भर्ती करने का दावा किया। मंत्री ने कहा- विभाग में हैंडपंप और ट्यूबवेल की मरम्मत के लिए तकनीकी हैल्पर, जेईएन और एईएन के पदों पर भर्ती की जाएगी। करीब 25 हजार पदों पर भर्ती होगी। इसका हमने प्रपोजल तैयार कर लिया है। आने वाले समय में हैंडपंप का काम एक ही विभाग के जरिए किया जाएगा। अभी कहीं पर पंचायती राज विभाग और कहीं पर जलदाय विभाग हैंडपंप का काम कर रहा है। आगे से जनप्रतिनिधियों के लिए यह समस्या नहीं होगी।

कन्हैयालाल ने कहा- ईआरसीपी-पीकेसी योजना को लेकर मध्य प्रदेश से एमओयू किया है, उसमें राजस्थान के हितों से कोई समझौता नहीं किया है। हमें अपने हक का पू-रा पानी मिलेगा। पिछली सरकार ने आनन-फानन में जनता को गुमराह करने के लिए ईआरसीपी की योजना तैयार की थी। अभी हमने जो एमओयू किया है, उसमें 90 पैसा केंद्र सरकार देगी। गौरतलब है कि जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी को विभाग की ज़िम्मेदारी संभाले आठ महीने हो चुके हैं और भारत वर्ष में विधायक पाँच साल के लिए होता है लेकिन मंत्री की कोई समय सीमा नहीं होती।

न्यूज अपडेट

दिल्ली में फिर मिली स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी, देर रात आया ई-मेल, प्रशासन में मचा हड़कंप

नई दिल्ली/एजेंसी। ईस्ट ऑफ कैलाश के समर फील्ड स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। यह धमकी एक ईमेल के जरिए स्कूल को भेजी गई। इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। सूचना के बाद एंबुलेंस, बम डिफ्यूज स्कवाड की टीम मौके पर पहुंची एहतियात के तौर पर पुलिस ने स्कूल को खाली कराया। इसके बाद एंबुलेंस, बम डिफ्यूज स्कवाड सहित अन्य टीम मौके पर पहुंची। पुलिस की जांच में स्कूल के अंदर कुछ नहीं मिला।

समर फील्ड्स स्कूल की प्रिंसिपल शालिनी अग्रवाल ने बताया हमें देर रात एक ईमेल मिला, जिसे आज सुबह चेक किया गया। एसओपी के अनुसार, हमने ईमेल प्राप्त होने के 10 मिनट के भीतर छात्रों को निकाल लिया। हमने पुलिस और जिला प्रशासन को सूचित किया। हम पुलिस के आभारी हैं कि उन्होंने हमारा भरपूर समर्थन किया क्योंकि वे तुरंत आ गए। यहां शायद ही कोई छात्र है, हम बस कुछ अभिभावकों के आने और अपने बच्चों को लेने का इंतजार कर रहे हैं।

लद्दाख से लेकर सोनीपत तक 6 जगहों पर ईडी का छापा

नई दिल्ली/एजेंसी। फेक क्रिप्टोकरेंसी के मामले में ईडी ने श्रीनगर जोन के लेह-लद्दाख क्षेत्र में पहली बार छापेमारी की है। प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के प्रावधानों के तहत एआर मीर और अन्य लोगों द्वारा फेक क्रिप्टोकरेंसी का कारोबार चलाया जा रहा है। इसके तार हरियाणा के सोनीपत से लेकर लेह और जम्मू तक जुड़े हुए हैं। ईडी लेह-लद्दाख से लेकर सोनीपत तक के 6 जगहों पर शुक्रवार को छापेमारी अभियान चला रही है। हजारों निवेशकों ने करेंसी यानी इमोइलेंट कॉइन में पैसा लगाया है। उन्हें न तो रिटर्न मिला और न ही करेंसी वापस की गई है। इस मामले में लेह क्षेत्र में कई एफआईआर दर्ज की गई हैं। जम्म-कश्मीर में भी कई शिकायतें मिली हैं। नकली फेक करेंसी के कारोबार के भंडाफोड़ के लिए प्रवर्तन निदेशालय कई प्रमोटर्स की तलाश में जुटी हुई।

पंचायती राज संस्थाओं की अनुदान राशि बढ़ाई जाये

चमकता राजस्थान

जयपुर, 02 अगस्त। पंचायती राज संस्थाओं के जन प्रतिनिधियों ने 16 वें वित्त आयोग के प्रतिनिधिमंडल के साथ अपनी मांगो और सुझावों को साझा करते हुए पंचायती राज संस्थाओं की अनुदान राशि बढ़ाने की मांग की है।

वित्त आयोग के अध्यक्ष अरविंद पानगड़िया ने जनप्रतिनिधियों की मांगों एवं सुझावों पर कहा कि राजस्थान की पंचायती राज व्यवस्था देश में सबसे पुरानी व्यवस्था है। मुझे ×खुशी है कि आप लोगों में जागरूकता है। ग्रामवासी भी मिलजुलकर ग्रामीण विकास सम्बंधी जरूरतों को पूरा करें। आप अपनी ग्राम पंचायत की वेबसाइट भी

बनाएं। आपकी मांगों और सुझावों पर अवश्य विचार किया जाएगा।

जनप्रतिनिधियों ने पौधारोपण के तहत लगाये जाने वाले पौधों की सुरक्षा के लिए ट्री गार्ड एवं नियमित देखभाल के लिए राशि उपलब्ध करवाने के साथ ही पंचायतों की निजी आय बढ़ाने के लिए फलदार एवं मेडिसिनल वृक्षों की उपज सम्बंधी प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित करने, अतिवृष्टि एवं ओलावृष्टि जैसी प्राकृतिक आपदाओं में राहत के लिए अलग से राशि देने, सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट व प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट स्थापित करने, कचरा एकत्रित करने के लिए ट्रैक्टर की व्यवस्था करने, विद्युत बिल राशि की बचत के लिए सौर ऊर्जा पैनल लगवाने, अधिकतर क्षेत्र डार्कजोन में होने के कारण जल संरक्षण की व्यवस्था को प्रभावी बनाने के साथ ही पेयजल आपूर्ति के लिए गाईडलाइन जारी करने, अतिक्रमण हटाने के लिए पंचायत समिति मुख्यालय पर जेसीबी की व्यवस्था करने, ग्राम पंचायत स्तर पर महिला स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए सेनेटरी नेपकीन के उत्पादन व वितरण की व्यवस्था करने, अटल सेवा केन्द्रों पर सीसीटीवी कैमरे लगवाने, प्रत्येक ग्राम पंचायत में डिजिटल लाइब्रेरी स्थापित करने की मांग की।

पंचायती राज विभाग के शासन सचिव एवं आयुक्त रवि जैन ने सभी का स्वागत करते हुए बैठक की रुपरेखा पर पर प्रकाश डाला। उन्होंने जनप्रतिनिधियों के द्वारा दिये गए सुझावों एवं प्रतिनिधिमंडल के साथ समन्वय स्थापित करते हुए अपना पक्ष प्रभावी तरीके से रखा।

बैठक में वित्त आयोग सदस्य डॉ सोम्या कांत घोष, अजय नारायण झा, डॉ मनोज पांडा, सचिव रित्विक पांडे, संयुक्त सचिव के. के. मिश्रा, संयुक्त निदेशक पी अमृता वर्षिणी,उपनिदेशक श्री आदित्य पंत, सहायक निदेशक अभय मेनन, ज्योति नागरकोटी एवं निजी सचिव कुमार विवेक उपस्थित थे।

वायनाड भूस्खलन में मरने वालों का आंकड़ा 290 के पार, 206 अभी भी लापता

वायनाड/एजेंसी।

वायनाड भूस्खलन में शुक्रवार को मरने वालों की संख्या बढ़×कर 297 हो गई है। अधिकारियों ने बताया कि 206 लोग अभी भी लापता हैं। केरल की अब तक की सबसे भीषण प्राकृतिक आपदा के चौथे दिन भी बचाव अभियान जारी रहा। विभिन्न बलों के अलावा स्थानीय लोगों से ली गई एक हजार से अधिक सदस्यीय बचाव टीम को नौ समूहों में बांटा गया है, जो लोगों की मदद करने और लापता

लोगों की तलाश के लिए प्रयास कर रही है। भूस्खलन से सबसे अधिक प्रभावित चूरलमाला, वेल्लारीमाला, मुंडकाईल और पुंचिरीमाडोम क्षेत्र हैं।

जाको राखे साईंया मार सके ना कोय... 98 घंटे बाद मलबे से जिंदा मिले चार लोग

वायनाड/एजेंसी।

जाको राखे साईंया मार सके ना कोय... यह कहावत उस समय बिल्कुल सही साबित हुई, जब केरल के वायनाड में मलबे से चार दिन बाद चार लोग जिंदा मिले। इनमें दो महिलाएं और दो पुरुष हैं। बता दें कि इस हादसे अब तक 308 लोगों की मौत हो चुकी है। रेस्क्यू में जुटे बचावकर्मियों को अब तक 195 शव ही मिले हैं। इसके

अलावा 105 लोगों के शव का कोई न कोई हिस्सा बरामद हुआ है, जिससे उनकी मौत कंफर्म हुई है।

बता दें कि सेना, नेवी और एयरफोर्स के साथ बचावकर्मियों की 40 टीमें लोगों के रेस्क्यू में जुटे हुए हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन को प्रभावी बनाने के लिए सर्च क्षेत्र को 6 अलग-अलग भागों में बांटने की बात चल रही है। भारतीय वायुसेना हिंडन एयर बेस से वायनाड के लिए जल्द सी-130 विमान उड़ाने जा रही है। यह विशेष ड्रोन सिस्टम के साथ-साथ विशेषज्ञों की टीम को वायनाड ले जाएगा, ताकी मिट्टी के नीचे फंसे लोगों की निगरानी की जा सके। ये ड्रोन सिस्टम मिट्टी के नीचे फंसे लोगों की तलाश करेंगे।

उत्तराखंड में भारी बारिश बनी आफतः

केदारनाथ में एयरलिफ्ट हुए मप्र के 51 लोग, पीएम मोदी लगातार ले रहे अपडेट

देहरादून/एजेंसी।

उत्तराखंड में भारी बारिश और आपदा से उत्पन्न स्थिति पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नजर रखे हुए हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने पूरी स्थिति की जानकारी ली है। रेस्क्यू के लिए एयर फोर्स का चिनूक एमआई 17 रवाना किया गया है। तीन टैंकर एटीएफ (एविएशन टरबाइन फ्यूल) की मदद भी भेजी गई है।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के अनुरोध पर पीएमओ ने हर संभव मदद का भरोसा दिया है। इसके साथ ही भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी स्थिति की जानकारी ली है।

मुख्यमंत्री लगातार अधिकारियों के साथ स्थिति का अपडेट ले

रहे हैं। उन्होंने प्रभावित क्षेत्र का दौरा कर मौके पर प्रभावितों को हर संभव सहायता मुहैया कराने के निर्देश दिए हैं। वहीं केदारनाथ यात्रा मार्ग पर फंसे यात्रियों को रेस्क्यू करने के लिए एसडीआरएफ ने देर रात तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया।

मुनकटिया क्षेत्र से देर रात 450 यात्रियों को सकुशल सोनप्रयाग पहुंचाया। अभी तक 2200 से अधिक यात्रियों को निकाला जा चुका है। आज भी रेस्क्यू ऑपरेशन लगातार जारी रहेगा।

वहीं केदारनाथ में फंसे मध्य प्रदेश के 51 लोगों को एयरलिफ्ट कर सुरक्षित निकाला गया है। सीएम डॉ. मोहन यादव ने बताया कि चारधाम की यात्रा के दौरान केदारनाथ में फंसे राज्य के 61 में से 51 यात्रियों को एयरलिफ्ट करके सुरक्षित रुद्रप्रयाग पहुंचाया गया है। सीएम ने आगे कहा कि बाकी बचे 10 यात्री केदारनाथ में ही सुरक्षित जगह पर हैं। रिपोर्ट के अनुसार, शिवपुरी के बदरवास क्षेत्र के कुल 61 लोग एक बस तथा अन्य चार पहिया वाहन लेकर केदारनाथ दर्शन के लिए गए थे। यह सभी भूस्खलन के कारण वहां फंस गए। इसके बाद मध्य प्रदेश सरकार ने उत्तराखंड सरकार से संपर्क कर उन्हें एयरलिफ्ट कराया।

आसान नहीं है 'विकसित भारत -2047'

भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'विकसित भारत-2047' पर देश में हर जगह चर्चा हो रही है। चचाओं का केंद्र अगले कुछ वर्षों में 7 प्रतिशत सालाना से अधिक औसत आर्थिक वृद्धि दर हासिल करना है। इस समय भारत और चीन की तुलना करना उपयोगी हो सकता है। विश्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक 1991 में दोनों देशों में कृषि में रोजगार का प्रतिशत आसपास ही था। चीन में यह 60 प्रतिशत तथा भारत में 63 प्रतिशत था, किंतु विश्व बैंक के अनुसार करीब 30 साल बाद चीन में यह तेजी से कम होकर 23 प्रतिशत रह गया, जो भारत के 44 प्रतिशत आंकड़े से बहुत कम है। इन 30 साल के भीतर चीन में लगभग 20 करोड़ कृषि श्रमिक उद्योग और सेवा क्षेत्रों में चले गए।

विश्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक भारत में बड़ी संख्या में श्रमिक खेती से बाहर हुए मगर इसी दौरान कृषि में रोजगार पाने वालों की संख्या 3.5 करोड़ बढ़ी। भारत को मौजूदा निम्न-मध्यम आय स्तर से उच्च आय स्तर या उच्च मध्यम आय स्तर तक लाने के लिए जरूरी बदलाव पर भी सबका ध्यान है। यह बदलाव रोजगार के ढांचे में होना है, जिसके तहत कृषि क्षेत्र से जुड़ा रोजगार घटना चाहिए और उद्योग तथा सेवा क्षेत्र का रोजगार उतना ही बढ़ना चाहिए। वैसे भारत 2047 तक विकसित देशों की श्रेणी में शामिल होने की आकांक्षा रखता है और इन देशों की अर्थव्यवस्थाओं में कृषि रोजगार के प्रतिशत की बात करें तो आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) देशों में यह लगभग 5 प्रतिशत है जो भारत में कृषि में वर्तमान रोजगार के प्रतिशत का लगभग आठवां हिस्सा है। उच्च-मध्यम आमदनी वाले देशों में भी कृषि में रोजगार की हिस्सेदारी आज भारत की तुलना में केवल आधी है। विकसित देशों की श्रेणी में शामिल कृषि वस्तुओं के प्रमुख निर्यातक जैसे न्यूजीलैंड या ब्राजील में भी कृषि में रोजगार की हिस्सेदारी केवल 6-8 प्रतिशत के भीतर है। अगर भारत को 2047 तक उच्च आमदनी वाले देश का दर्जा हासिल करना है या उच्च-मध्यम आय के स्तर तक पहुंचना है तो उसे कृषि से बड़ी संख्या में श्रमिक उद्योग और सेवा क्षेत्र की ओर भेजने होंगे। इससे भी ज्यादा नाटकीय मामला वियतनाम का है, जहां 1991 में रोजगार में कृषि की हिस्सेदारी 75 प्रतिशत थी मगर 2021 में घटकर 29 फीसदी रह गई। इसका बड़ा कारण यह है कि चीन और वियतनाम में इन वर्षों के दौरान अधिक निर्भरता विनिर्माण में रोजगार सृजन और निर्यात बढ़ाने वाली वृद्धि पर रही है। भारत के मामले में 1991 और 2021 के आंकड़ों की तुलना में एक अहम बिंदु छुप जाता है।

कृषि की हिस्सेदारी में गिरावट, उद्योग व सेवाओं में वृद्धि 1990-91 से 2014-15 के बीच यानी 25 वर्षों दौरान हुई। उसके बाद से विनिर्माण में वृद्धि की कई योजनाएं आने के बाद भी कोई बड़ा बदलाव नहीं देखा गया है। संभवतः कोविड के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों की वापसी की वजह से भी कृषि क्षेत्र से रोजगार स्थानांतरित होने की रफ्तार धीमी रही है।भारत में राज्यों के बीच अंतर पर भी ध्यान दिया जाना चाहिए। अहम मुद्दा यह है कि हम किस दर पर उद्योग और सेवा क्षेत्र में बेहतर रोजगार सृजन कर सकते हैं ताकि कामकाजी उम्र वाले लोगों की बढ़ती संख्या और कृषि क्षेत्र से आने वाले लोगों को इसमें खप सके। 2047 तक कामकाजी उम्र वाली आबादी (15 से 59 वर्ष) का आधिकारिक पूवार्नुमान लगाएं और मान लें कि काम ढूंढने वालों में करीब 65 प्रतिशत हिस्सेदारी इसी समूह की होगी तो हमारे पास रोजगार ढूंढने वाले करीब 12 करोड़ नए लोग होंगे। इसके अलावा सबसे मुश्किल पूवार्नुमान कृषि क्षेत्र से निकलने वाले श्रम बल के दूसरे क्षेत्रों में स्थानांतरण के मूल्यांकन का स्तर है। अगर हम विकसित या उच्च आमदनी वाला देश बनना चाहते हैं तब कृषि क्षेत्र में रोजगार का हिस्सा कम होकर 10 प्रतिशत के स्तर पर आना चाहिए। इसका मतलब है कि लगभग 15 करोड़ लोगों को कृषि क्षेत्र छोड़ना होगा।

इस तरह उद्योग और सेवा क्षेत्रों में 27 करोड़ से अधिक नए रोजगार पैदा करने की आवश्यकता है ताकि रोजगार ढूंढने वाली आबादी और कृषि क्षेत्र छोड़ने वाली अतिरिक्त आबादी इसमें खप सके। अगले 25 वर्षों में यह तादाद सालाना 1 करोड़ से अधिक नई उद्योग एवं सेवा क्षेत्र की नौकरियां हैं। असली चुनौती यह है कि हमें 2047 तक विकसित भारत बनाने के लिए एक ऐसी योजना चाहिए जो उद्योग और सेवा क्षेत्र में रोजगार के बेहतर मौके तैयार करे, खासतौर से उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, राजस्थान और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में, जहां आज भी औसतन करीब 55 प्रतिशत लोग खेती में रोजगार पाते हैं। अगले 25 साल में देश में जितने भी नए कामगार बढ़ेंगे, उनमें से लगभग 90 प्रतिशत इन पांच राज्यों से होंगे।

दोस्ती है जादुई संवेदनाओं को जगाने का सशक्त माध्यम

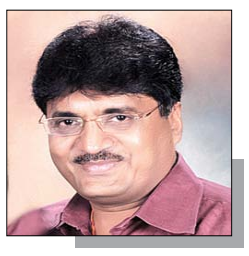

ललित गर्ग

मित्रता हर रिश्ते में प्रेम, विश्वास एवं आत्मीयता का रस घोलती है। दोस्ती एक अनूठा एवं विलक्षण रिश्ता है, जिसमें हम बिना संकोच के अपनी वास्तविकता प्रकट कर देते हैं। यह रिश्ता कर्तव्यों, नियमों एवं बंधनों से मुक्त है। यह रिश्ता हमें स्वतंत्रता देता है, जिससे हम जैसे हैं, वैसे ही रह सकते हैं। इन्हीं विशेषताओं के कारण दुनियाभर में प्रत्येक वर्ष अगस्त माह के प्रथम रविवार को अंतरराष्ट्रीय मैत्री (मित्रता) दिवस मनाया जाता है। इसके पीछे की भावना हर जगह एक ही है- मित्रता एवं दोस्ती का सम्मान। मैत्री का दर्शन बहुत विराट है, स्वस्थ निमित्तों की श्रृंखला में यह सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। बिना किसी आग्रह एवं स्वार्थ के जो मैत्री स्थापित करता है, वह सबके कल्याण का आकांक्षी रहता है, सबके अभ्युदय में स्वयं को देखता है और उसके जीवन में विकास के नये आयाम खुलते रहते हैं। जीवन खूबसूरत प्रतीत होता है। इसमें अपने-पराये का भेद नहीं रहता, न प्रतिस्पर्धा और न छोटे-बड़े की सीमा-रेखा होती है। वास्तव में मित्र उसे ही कहा जाता है, जिसके मन में स्नेह की रसधार हो, स्वार्थ की जगह परमार्थ की भावना हो, ऐसे मित्र सांसों की बांसुरी में सिमटे होते हैं, ऐसे मित्र संसार में बहुत दुर्लभ हैं। श्रीकृष्ण और सुदामा की, विभीषण और श्रीराम की दोस्ती इतिहास की अमूल्य धरोहर हैं।

विश्व मित्रता दिवस मनाते हुए एक प्रश्न उभरता है कि दोस्ती एवं मित्रता की इतनी आदर्श स्थिति एवं महत्ता होते हुए भी आज मनुष्य-मनुष्य के बीच मैत्री भाव का इतना अभाव क्यों है? क्यों है इतना पारस्परिक दुराव? क्यों है वैचारिक वैमनस्य? क्यों मतभेद के साथ जनमता मनभेद? ज्ञानी, विवेकी, समझदार होने के बाद भी आए दिन मनुष्य क्यों लड़ता झगड़ता है। विवादों के बीच उलझा हुआ तनावग्रस्त क्यों खड़ा रहता है। न वह विवेक की आंख से देखता है, न तटस्थता और संतुलन के साथ सुनता है, न सापेक्षता से सोचता और निर्णय लेता है। यही वजह है कि वैयक्तिक रचनात्मकता समाप्त हो रही है। पारिवारिक सहयोगिता और सहभागिता की भावनाएं टूट रही हैं। सामाजिक बिखराव सामने आ रहा है। धार्मिक आस्थाएं कमजोर पड़ने लगी हैं। आदमी स्वकृत धारणाओं को पकड़े हुए शब्दों की कैद में स्वार्थों की जंजीरों की कड़ियां गिनता रह गया है। ऐसे समय में दोस्ती का बंधन रिश्तों में नयी ऊर्जा का संचार करता है। सूरदास ने कहा है कि मित्रता का रिश्ता जीवन का सबसे मधुर रिश्ता होता है, जो जीवन में उत्कृष्टता का द्वार खोलता है।

अंतरराष्ट्रीय मैत्री दिवस की आज ज्यादा प्रासंगिकता है, दक्षिण अमेरिकी देशों से शुरू हुआ यह त्योहार उरुग्वे, अजेर्टीना, ब्राजील में 20 जुलाई को, पराग्वे में 30 जुलाई को, जबकि भारत, मलेशिया, बांग्लादेश आदि दक्षिण एशियाई देशों सहित दुनियाभर के बाकी देशों में यह अगस्त महीने के पहले रविवार को मनाया जाता है। दोस्ती वह रिश्ता है जो आप खुद तय करते हैं, जबकि बाकी सारे रिश्ते आपको बने-बनाये मिलते हैं। जरा सोचिए कि एक दिन अगर आप अपने दोस्तों से नहीं मिलते हैं, तो कितने बेचैन हो जाते हैं और मौका मिलते ही उसकी खैरियत जानने की कोशिश करते हैं। आप समझ सकते हैं कि यह रिश्ता कितना खास है। जोसेफ फोर्ट न्यूटन ने कहा कि ह्लोग इसलिए अकेले होते हैं क्योंकि वह मित्रता का पुल बनाने की बजाय दुश्मनी की दीवारें खड़ी कर लेते हैं।ह्व हमें दोस्ती के नये मूल्य-मानक गढ़ने हैं, मित्रता को जीवन में सार्थक रूप में स्थापित करना है। मित्रता प्रेम का नहीं बल्कि करुणा का पर्याय होनी चाहिए। क्योंकि प्रेम में स्वार्थ है, राग-द्वेष के संस्कार हैं जबकि करुणा परमार्थ का पर्याय बनती है।

आज जिस तकनीकी युग में हम जी रहे हैं, उसने लोगों को एक-दूसरे से काफी करीब ला दिया है। लेकिन साथ ही साथ इसी तकनीक ने हमसे सुकून का वह समय छीन लिया है जो हम आपस में बांट सकें। आज हमने पूरी दुनिया को तो मुट्ठी में कैद कर लिया है, लेकिन इसके साथ ही हम खुद में इतने मशगूल हो गये हैं कि एक तरह से सारी दुनिया से कट से गये हैं। नयी सभ्यता एवं नयी संस्कृति में ऐसी ही मानवीय संवेदनाओं को नई ऊर्जा देने के लिये अन्तर्राष्ट्रीय फ्रेंडस दिवस मनाया जाना एक सार्थक उपक्रम है। दोस्ती के सुखद रिश्ते के पांच मूलमंत्र है-एक-दूसरे की कमियों और अच्छाइयों को स्वीकार करना। एक-दूसरे की भावनाओं को समझना और सम्मान करना। रिश्ते में हल्कापन और खुशी बनाए रखना। एक-दूसरे के प्रति विश्वास और ईमानदारी रखना। रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए समय और ध्यान देना। इन मत्रों को अपनाकर हम एक आदर्श दोस्ती स्थापित कर सकते हैं। क्योंकि दोस्ती ही एक ऐसा रिश्ता है जो वार्तमानिक परिवेश में जबकि मानवीय संवेदनाओं एवं आपसी रिश्तों की जमीं सूखती जा रही है ऐसे समय में एक दूसरे से जुड़े रहकर जीवन को खुशहाल बनाने और दिल में जादुई संवेदनाओं को जगाने का सशक्त माध्यम है। क्षणिक और स्वार्थों पर टिकी मित्रता वास्तव में मित्रता नहीं, केवल एक पहचान मात्र होती है ऐसे मित्र कभी-कभी बड़े खतरनाक भी हो जाते हैं। जिनके लिए एक विचारक ने लिखा है- ह्यह्यपहले हम कहते थे, हे प्रभु! हमें दुश्मनों से बचाना परन्तु अब कहना पड़ता है, हे परमात्मा, हमें दोस्तों से बचाना।ह्ल दुश्मनों से भी ज्यादा खतरनाक होते हैं दोस्त। मित्रता दिवस दोस्ती को अभिशाप नहीं, वरदान बनाने का उपक्रम है। यह दिवस वैयक्तिक स्वार्थों को एक ओर रखकर औरों को सुख बांटने एवं दुःख बटोरने की मनोवृत्ति को विकसित करने का दुर्लभ अवसर प्रदत्त करता है। इस दिवस को मनाने का मूल हार्द यही है कि दोस्ती में विचार-भेद और मत-भेद भले ही हों मगर मन-भेद नहीं होना चाहिए। क्योंकि विचार-भेद क्रांति लाता है जबकि मन-भेद विद्रोह। क्रांति निर्माण की दस्तक है, विद्रोह बरबादी का संकेत।

मित्रता का भाव हमारे आत्म-विकास का सुरक्षा कवच है। आचार्य श्री तुलसी ने इसके लिए सात सूत्रों का निर्देश किया। मित्रता के लिए चाहिए- विश्वास, स्वार्थ-त्याग, अनासक्ति, सहिष्णुता, क्षमा, अभय, समन्वय। यह सप्तपदी साधना जीवन की सार्थकता एवं सफलता की पृष्ठभूमि है। विकास का दिशा-सूचक यंत्र है। दोस्ती का यह दिवस आमंत्रित कर रहा है अपनी ओर, बाहें फैलाये हुए, हमें बिना कुछ सोचे, ठिठके बगैर, भागकर दोस्ती की पगडंडी को पकड़ लेने के लिये। जीवन रंग-बिरंगा है, यह श्वेत है और श्याम भी। दोस्ती की यही सरगम कभी कानों में जीवनराग बनकर घुलती है तो कहीं उठता है संशय का शोर। दोस्ती को मजबूत बनाता है हमारा संकल्प, हमारी जिजीविषा, हमारी संवेदना लेकिन उसके लिये चाहिए समर्पण एवं अपनत्व की गर्माहट। यह जीना सिखाता है, जीवन को रंग-बिरंगी शक्ल देता है। प्रेरणा देता है कि ऐसे जिओ कि खुद के पार चले जाओ। ऐसा कर सके तो हर अहसास, हर कदम और हर लम्हा खूबसूरत होगा और साथ-साथ सुन्दर हो जायेगी जिन्दगी। इसीलिये अमरीकी लेखिका हेलेन केलर ने कहा है कि मैं अकेले उजालें में चलने के बजाय अंधेरे में एक दोस्त के साथ चलना पसंद करूंगी।

हमें तन्हाई का कोई साथी चाहिए, खुशियों का कोई राजदार चाहिए और गलती पर प्यार से डांटने-फटकराने वाला चाहिए। यदि यह सब खूबी किसी एक व्यक्ति में मिले तो निःसन्देह ही वह आपका दोस्त होगा, मित्र होगा। वही दोस्त, जिसके रिश्ते में कोई स्वार्थ या छल-कपट नहीं बल्कि आपके हित, आपके विकास, आपकी खुशियों के लिये जिसमें सदैव एक तड़फ एवं आत्मीयता रहेगी। यों तो भारतीय संस्कृति और इतिहास में त्योहारों की एक समृद्ध परम्परा है, लेकिन अब हमारे देश में अन्तर्राष्ट्रीय दिवसों के प्रति बढ़ते आकर्षण एवं प्रचलन से इसमें इजाफा हुआ है। अब हर दिन कोई-न-कोई पर्व, त्योहार या दिवस होता है। हमने फ्रेण्डशिप दिवस जैसे अनेक नये या आयात किये हुई पर्व एवं दिवसों को हमारी संस्कृति और जीवनशैली का हिस्सा बना लिया है। फ्रेण्डशिप दिवस यानी मित्रता दिवस, सभी गिले-शिकवे भूल दोस्ती के रिश्ते को विश्वास, अपनत्व एवं सौहार्द की डोर से मजबूत करने का दिन।

शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य के लिए शिशु को स्तनपान जरूर कराएं

मुकेश कुमार शर्मा

विश्व स्तनपान सप्ताह (01-07 अगस्त) पर विशेष

माँ का पहला पीला गाढ़ा दूध नवजात के लिए अमृत समान होता है। इसलिए नवजात को जन्म के पहले घंटे में स्तनपान जरूर कराएँ। यह संक्रामक बीमारियों से सुरक्षित बनाने के साथ ही शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ बनाता है। निमोनिया, डायरिया व अन्य संक्रामक बीमारियों की जद में आने से बचाने में पूरी तरह से कारगर है। रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में सक्षम माँ के पहले पीले गाढ़े दूध (कोलस्ट्रम) को इसीलिए बच्चे का पहला टीका भी माना जाता है। स्तनपान शिशु का मौलिक अधिकार भी है। स्तनपान के फायदे के बारे में जानना हर महिला के लिए जरूरी है। इसके प्रति जागरूकता के लिए ही हर साल अगस्त माह के पहले हफ्ते को विश्व स्तनपान सप्ताह (01-07 अगस्त) के रूप में मनाया जाता है। इस वर्ष विश्व स्तनपान सप्ताह की थीम- ''अंतर को कम करना, सभी के लिए स्तनपान सहायता'' (क्लोजिंग द गैप : ब्रेस्टफीडिंग सपोर्ट फॉर ऑल) तय की गयी है। शिशु को छह माह तक केवल स्तनपान कराना चाहिए। इस दौरान बाहर की कोई भी चीज नहीं देनी चाहिए, यहाँ तक कि पानी भी नहीं। छह माह तक माँ के दूध के अलावा कुछ भी देने से संक्रमित होने की पूरी संभावना रहती है। अमृत समान माँ के अनमोल दूध में सभी पौष्टिक तत्वों के साथ पानी की मात्रा भी भरपूर होती है। इसीलिए छह माह तक माँ अगर बच्चे को भरपूर स्तनपान कराती है तो ऊपर से पानी देने की कोई आवश्यकता नहीं है। बच्चे की खुशहाली और दूध का बहाव अधिक रखने के लिए जरूरी है कि माँ प्रसन्नचित रहें और तनाव व चिंता को करीब भी न आने दें। इसके अलावा बीमारी की स्थिति में भी माँ बच्चे को पूरी सावधानी के साथ स्तनपान जरूर कराएं क्योंकि यह बच्चे को बीमारी से सुरक्षित बनाता है। माँ को यह भी जानना जरूरी है कि केवल स्तनपान कर रहा शिशु 24 घंटे में छह से आठ बार पेशाब कर रहा है तो यह समझना चाहिए कि उसे भरपूर खुराक मिल रही है। इसके साथ ही स्तनपान के बाद बच्चा कम से कम दो घंटे की नींद ले रहा है और बच्चे का वजन हर माह 500 ग्राम बढ़ रहा है तो किसी तरह की चिंता करने की जरूरत नहीं है क्योंकि यह प्रमाण है कि शिशु को भरपूर मात्रा में माँ का दूध मिल रहा है।

शिशु के लिए स्तनपान के लाभ :

माँ का दूध शिशु के लिए सर्वोत्तम पोषक तत्व होता है। सर्वोच्च मानसिक विकास में सहायक होता है और संक्रमण जैसे- दस्त-निमोनिया आदि से सुरक्षित बनाता है। इसके अलावा दमा व एलर्जी से भी सुरक्षित बनाता है। शिशु को ठंडा होने से बचाता है और प्रौढ़ व वृद्ध होने पर उम्र के साथ होने वाली बीमारियों से भी सुरक्षा प्रदान करता है ।

मां के लिए स्तनपान कराने के फायदे :

नवजात को शीघ्र और नियमित स्तनपान कराने से जन्म के पश्चात रक्तस्राव और एनीमिया से बचाव होता है। इसे एक कारगर गर्भनिरोधक के रूप में भी माना जाता है। मोटापा कम करने और शरीर को सुडौल बनाने में भी यह सहायक होता है। शिशु को स्तनपान कराने से स्तन और अंडाशय के कैंसर से भी बचाव होता है।

बोतल से दूध पिलाने और कृत्रिम आहार के जोखिम :

कृत्रिम आहार या बोतल के दूध में पोषक तत्वों की मात्रा न के बराबर होती है। इसलिए यह बच्चे के पाचन तंत्र को प्रभावित करता है। कुपोषित होने के साथ ही संक्रमण का जोखिम भी बना रहता है। बौद्धिक विकास को भी प्रभावित कर सकता है।

क्या कहते हैं आंकड़े :

छह माह तक लगातार शिशु को केवल स्तनपान कराने से 11 फीसदी दस्त रोग और 15 प्रतिशत निमोनिया के मामले को कम किया जा सकता है। नेशनल फेमिली हेल्थ सर्वे-5 (2020-21) के अनुसार उत्तर प्रदेश में जन्म के एक घंटे के भीतर स्तनपान कराने की दर 23.9 प्रतिशत है। इसी तरह छह माह तक बच्चे को केवल स्तनपान कराने की दर एनएफएचएस-5 के सर्वे में 59.7 फीसद रही जबकि एनएफएचएस-4 के सर्वे में यह 41.6 फीसद थी।

(लेखक पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर हैं, साथ ही ब्रेस्टफीडिंग प्रमोशन नेटवर्क ऑफ इंडिया (बीपीएनआई) के आजीवन सदस्य भी हैं।)

संघ लोक सेवा आयोग पर सवालिया निशान है पूजा खेड़कर प्रकरण !

मनोज कुमार अग्रवाल

विवादों से घिरीं प्रशिक्षु आइएएस पूजा खेड़कर के मामले में अब पूजा के खिलाफ संघ लोक सेवा आयोग ने कार्रवाई की है। आयोग ने पूजा खेड़कर से उनका आईएएस पद छीन लिया है साथ ही उन पर भविष्य की सभी परीक्षाओं के लिए प्रतिबंध लगा दिया है। उक्त जानकारी आयोग ने दी है। यूपीएससी ने इस बात के संकेत पहले ही दे दिए थे। यूपीएससी का कहना था कि अगर पूजा खेडकर पर लगाए गए आरोप सही पाए जाते हैं तो उन पर कार्रवाई की जाएगी।पूजा पर तो कार्रवाई शुरू कर दी गई है लेकिन इस तमाम गड़बड़ी के लिए संघ लोकसेवा आयोग को क्लीन चिट नहीं दी जा सकती है।यह सारा प्रकरण सिस्टम में मौजूद छिद्रों को बेपर्दा करता है। आइए विस्तार से बताते हैं महाराष्ट्र कैडर की आइएएस ट्रेनी पूजा खेडकर का विवाद लम्बे समय से चल रहा है. अब यूपीएससी ने पूजा खेडकर की अस्थायी उम्मीदवारी खत्म कर दी है. पूजा खेडकर के ऊपर एक दो नहीं बल्कि धोखे से इस पद को हासिल करने के कई आरोप लगे हैं।यूपीएससी ने पूजा को नोटिस जारी करके उनका चयन रदद करने को लेकर जवाब मांगा था. यूपीएससी ने कहा था कि पूजा के खिलाफ जांच में पाया गया कि उन्होंने अपना नाम, माता-पिता का नाम, सिग्नेचर, फोटो, ईमेल आइ डी, मोबाइल नंबर और एड्रेस बदलकर यूपीएससी का एग्जाम दिया. दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने पूजा के खिलाफ जालसाजी, धोखाधड़ी, आईटी एक्ट और डिसेबिलिटी एक्ट के तहत केस दर्ज किया था। पूजा खेडकर ने अपनी पर्सनल कार में लाल बत्ती और महाराष्ट्र सरकार लिखवा रखा था. पूजा खेडकर की इसी गलती की वजह से वह सुर्खियों में आईं और जब जांच हुई तो उनके सारे झूठ सामने आ गए. सबसे पहले पुणे के डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर सुहास दिवासे ने पूजा के खिलाफ शिकायत की थी, जिसके बाद उनका ट्रांसफर वाशिम कर दिया गया था.पता चला कि पूजा ने यूपीएससी के कोटे में आने के लिए ओबीसी कैटेगरी का फर्जी सर्टिफिकेट दिखाया था जबकि वह एक क्रीमी लेयर ओबीसी हैं. इसके अनुसार, जिस परिवार की सालाना इनकम 8 लाख से ऊपर होती है उन्हें क्रीमी लेयर ओबीसी की कैटेगरी में रखा जाता है. क्रीमी लेयर ओबीसी के लिए यूपीएससी में कोई कोटा नहीं है. हाल ही में उनके पिता लोकसभा चुनाव में उतरे तो सामने आया कि असल में उनकी इनकम 8 लाख से कहीं ज्यादा है. चुनाव के दौरान दिलीप खेडकर की आय का ब्यौरा किया गया तो पाया कि उनका पूरा परिवार अरबपति है और क्रीमी लेयर ओबीसी में आता है. इसके बाद सामने आया कि पूजा खेडकर नॉर्मल नहीं बल्कि एक क्रीमी लेयर ओबीसी हैं। इस मामले में पता चला है कि केंद्र सरकार ने पुणे पुलिस को आईएएस प्रशिक्षु के माता-पिता - पिता दिलीप और माता पूजा खेडकर ने यूपीएससी में ओबीसी नॉन-क्रीमी लेयर कोटे का गलत इस्तेमाल करते हुए झूठा दावा किया कि उसके माता-पिता अलग हो गए हैं। अपने मॉक इंटरव्यू के दौरान उसने दावा किया कि उसके माता-पिता का तलाक हो गया है और वह अपनी मां के साथ रहती है।पता चला कि यह पूरी तरह सच नहीं था। प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी के माता-पिता - दिलीप और मनोरमा खेडकर ने 2009 में पुणे के पारिवारिक न्यायालय में आपसी सहमति से तलाक के लिए अर्जी दी थी। 25 जून, 2010 को तलाक को अंतिम रूप दिया गया। तलाक के बावजूद, दोनों कथित तौर पर पुणे के बानेर इलाके में एक बंगले में साथ रह रहे थे। एक रिपोर्ट के अनुसार, बंगले की मालकिन मनोरमा खेडकर थीं।इसके अलावा, दिलीप खेडकर ने अपने लोकसभा चुनाव हलफनामे में मनोरमा को अपनी पत्नी बताया और उन्हें अविभाजित हिंदू परिवार घोषित किया। दिलीप और मनोरमा के विवाहित जोड़े के रूप में सार्वजनिक कार्यक्रमों में भाग लेने का भी उल्लेख किया गया है।उन्होंने अपनी कुल संपत्ति 40 करोड़ रुपये से अधिक बताई तथा अपने हलफनामे में दंपत्ति की साझा संपत्तियों का भी ब्यौरा दिया। उधर पूजा की मां मनोरमा खेडकर फिलहाल आपराधिक धमकी के आरोप में जेल में बंद हैं। पुणे ग्रामीण पुलिस ने उन्हें 2023 में एक किसान को बंदूक दिखाकर धमकाने के आरोप में गिरफ्तार किया है। दिलीप खेडकर भी इसी मामले में आरोपी हैं। उन्हें पुणे की एक अदालत से 25 जुलाई तक अंतरिम संरक्षण मिला हुआ था । पूजा खेडकर के आइएएस चयनित होने पर जांच हुई तो और झूठ की परतें खुलती गईं. पूजा खेडकर ने सिर्फ ओबीसी ही नहीं, दिव्यांग होने का भी झूठा सर्टिफिकेट यूपीएससी में दिखाया हुआ था. पूजा खेडकर ने यूपीएससी में खुद को मानसिक दिक्कत होने और नजरें कमजोर होने की बात कही थी. इसके अलावा बांये घुटने में लोकोमोटर दिव्यांगता की बात भी कही थी. मानसिक दिक्कत के बारे में उन्होंने बताया कि उन्हें चीजें याद नहीं रहती. यूपीएससी मे ऐसे छात्रों के लिए बाकायदा दिव्यांग कोटा होता है.इसके बाद यूपीएससी ने बाकायदा एम्स में पूजा की जांच कराने का फैसला किया. यूपीएससी सिर्फ सरकारी अस्पतालों की रिपोर्ट को ही मानता है. यूपीएससी इस रिपोर्ट के जरिए इस बात की तस्दीक करना चाहता था कि पूजा को सचमुच मानसिक बीमारी है और उनकी नजरें कमजोर हैं. पूजा के मेडिकल टेस्ट के लिए यूपीएससी ने कुल छह बार एम्स में डॉक्टरों से अप्वाइंटमेंट लिया पर आपको जानकर हैरानी होगी कि पूजा हर बार बहाना बनाकर टेस्ट से बचती रही. जब जांच हुई तो पूजा के मानसिक सर्टिफिकेट को भी फर्जी माना गया। इसी बीच उनकी मां की एक फोटो वायरल होने लगी, जिसमें उनके हाथ में बंदूक थी. पूजा खेडकर की यूपीएससी में 821 रैंक आई. अगर वे सामान्य ओबीसी कैटगरी का सर्टिफिकेट दिखाती और कोई कोटा नहीं होता तो वह आईएएस नहीं बन पातीं. विवादों में घिरीं पूजा खेडकर की ट्रेनिंग 16 जुलाई को रोक दी गई और उन्हें मसूरी स्थित लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी वापस बुला लिया गया. हालांकि वे 23 जुलाई की डेडलाइन खत्म होने तक अकादमी नहीं पहुंचीं। मिली जानकारी के अनुसार पूजा खेडकर मामले की जांच के लिए यूपीएससी ने पिछले 15 साल के डेटा की समीक्षा की. इसके बाद सामने आया कि खेडकर का इकलौता केस था जिसमें यह पता नहीं लगाया जा सका कि खेडकर ने कितनी बार यूपीएससी का एग्जाम दिया.क्योंकि उन्होंने हर बार न केवल अपना नाम बल्कि अपने माता-पिता का नाम भी बदल लिया था.अब भविष्य में ऐसा न हो सके. इसके लिए यूपीएससी एसओपी को और मजबूत करने की तैयारी कर रही है।पूजा खेडकर पर आरोप लगाया गया कि प्रशिक्षु आईएएस अधिकारी के रूप में उन सुविधाओं की मांग की, जिनकी वे हकदार नहीं थीं। इसके अलावा उन पर एक वरिष्ठ अधिकारी के चैंबर पर कब्जा करने का भी आरोप है। खेडकर पर अपने पद का बेजां दुरुपयोग करने का भी आरोप है। पूजा की यूपीएससी में गड़बड़ी के मामले में और भी कई खुलासे हुए हैं। सामने आया है कि पूजा ने यूपीएससी के अटेम्प्ट बढ़ाने के लिए न सिर्फ अपने नाम और उम्र में बदलाव किया था। सेंट्रल एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल में पूजा की तरफ से लगाए गए 2020 और 2023 के दो आवेदनों में पूजा के अलग-अलग नाम हैं।पूजा ने 2020 के आवेदन में अपना नाम ह्यखेडकर पूजा दिलीपरावह्ल और उम्र 30 साल बताई थी। वहीं, 2023 में कैट के आवेदन में उन्होंने अपना नाम ह्यपूजा मनोरमा दिलीप खेडकरह्ल और उम्र 31 साल बताई। सवाल उठाया जा रहा है कि तीन साल के अंतराल में उनकी उम्र एक ही साल कैसे बढ़ सकती है।अब सवाल उठता है कि भारत सरकार की सबसे उच्च स्तरीय भारतीय प्रशासनिक सेवा के लिए अभ्यर्थियों की चयन प्रक्रिया को संघ लोक सेवा आयोग संचालित करता है पूजा खेड़कर के मामले ने आयोग की प्रक्रिया में मौजूद कुछ छिद्रों को सामने लाने का काम किया है सवाल यह है कि जब पूजा ने आयोग की चयन प्रक्रिया की इन तमाम कमजोरियों का दुरुपयोग कर आइएएस पद हासिल कर लिया तो क्या आयोग की कार्यप्रणाली में और भी ऐसी कमजोरी और भ्रष्टाचार के छिद्र होने की संभावना नहीं है जिनका पता नही कितने अभ्यर्थियों ने फायदा उठा कर भारतीय प्रशासनिक सेवा में प्रवेश हासिल कर लिया होगा।संघ लोक सेवा आयोग की चलनी में अब इतने छेद हैं कि अकेली पूजा नहीं कई और पूजा व चंदन होंगे। अब जाँच हो ही रही है तो 2022 एवं 2023 समेत पिछले कुछ सालों में सफल सभी अभ्यर्थियों की छान-बीन की जाए। निश्चित तौर पर पूजा अकेली नहीं होगी ऐसे बहुत सारे अभ्यर्थी मिलेंगे जो फजीर्वाड़ा कर यूपीएससी की खामियों का फायदा उठाकर कलेक्टर व अन्य उच्च पदों पर आसीन होंगे।

पूजा खेड़कर ने देश की सबसे प्रतिष्ठित उच्चस्थ सरकारी सेवा की चयन प्रक्रिया की खामियों का लाभ उठा कर इन्हें उजागर किया है इस से सहज अनुमान लगाया जा सकता है कि इस सिस्टम में जब सबसे प्रतिष्ठित सेवा की चयन प्रक्रिया में इतने छेद हैं तो बाकी सब भी राम भरोसे ही होगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

संक्षिप्त समाचार

युनाइटेड इंश्योरेंस उप महाप्रबंधक का किया स्वागत

चमकता राजस्थान / उदयपुरवाटी (सुमेर सिंह राव)। युनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस कम्पनी के उप महाप्रबंधक विजय कुमार व क्षेत्रीय प्रबंधक दिलीप कुमार उदयपुरवाटी शाखा में पधारे। जिनका युनाइटेड इंडिया इंश्योरेंस उदयपुरवाटी शाखा के प्रबंधक शुभकरण चौधरी के नेतृत्व में सभी कर्मचारी एवं अभिकर्ताओं के द्वारा उनका माला व साफा पहनाकर स्वागत किया गया। उत्कृष्ट कार्य करने वाले अभिकर्ताओं को सम्मानित किया गया। उप महाप्रबंधक विजय कुमार व क्षेत्रीय प्रबंधक दिलीप कुमार ने उपस्थित अभिकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि इंश्योरेंस से मिलने वाले लाभों को प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाना होगा जिससे होने वाली क्षति को कम किया जा सके। इंश्योरेंस हमें हमारे नुकसान कि क्षतिपूर्ति करवाने कि आजादी देता है।इस दौरान योगेश सैनी, हिम्मत सिंह, रामस्वरूप चौधरी,मोहन लाल, हेतराम,मुकेश कुमार,विकास कुमार आदि सहित अनेक अभिकर्ता मौजूद रहे।

झड़ाया बजरंग धाम आश्रम पर भगवान शंकर के मंदिर में करवाया रुद्राभिषेक

- **श्री श्री 108 श्री सीताराम दास जी महाराज के सानिध्य में हुआ रुद्राभिषेक का कार्यक्रम**
- **मंदिर परिसर में प्रतिवर्ष होता है रुद्राभिषेक का कार्यक्रमः मदनलाल भावरिया**

चमकता राजस्थान / उदयपुरवाटी। (सुमेर सिंह राव)। उपखंड क्षेत्र के पचलंगी गांव के पास स्थित झडाया बालाजी मंदिर आश्रम परिसर में मंदिर के महंत श्री श्री 108 श्री सीताराम दास जी महाराज के साहित्य में सावन के पवित्र महीने को ध्यान में रखते हुए भगवान शंकर का रुद्राभिषेक करवाया गया ' आचार्य वासुदेव भिंडा चोकडी के सानिध्य में 11 पंडितों द्वारा रुद्राभिषेक करवाया गया ' रुद्राभिषेक के दौरान सुख शांति एवं खुशहाली की कामना की गई 'राष्ट्रीय सामाजिक जन चेतना मंच के अध्यक्ष एवं समाज सेवी मदनलाल भावरिया ने जानकारी देते हुए बताया कि सावन के पवित्र महीने में प्रतिवर्ष मंदिर परिसर में महाराज श्री के सानिध्य में रुद्राभिषेक करवाया जाता है ' भावरिया के अनुसार मंदिर परिसर में 11 विद्वान पंडितो द्वारा भगवान शंकर का रुद्राभिषेक करवाया गया तत्पश्चात पंडितों का सम्मान भी किया गया ' इस दौरान रामलाल बड़सरा अध्यक्ष गौशाला सेवा समिति, पाचूराम जांगिड़ उपाध्यक्ष, राकेश मटोलिया व्यवस्थापक, लक्ष्मण सिंह कुड़ी ,महेंद्र तेतरवाल, भवानी सिंह कुड़ी , डॉक्टर रामावतार गजराज सहित कई लोग मौजूद रहे '

अंगदान के प्रतीक हरे रंग में नहाएंगे जयपुर के प्रमुख ऐतिहासिक स्थल, एमएफजेसीएफ की पहल से अंगदान दिवस पर होगी हरे रंग की रोशनी

चमकता राजस्थान। जयपुर। विश्व अंगदान दिवस 3 अगस्त की पूर्व संध्या एवम अंगदान दिवस के दिन जयपुर शहर के सभी प्रमुख ऐतिहासिक स्मारक एवम स्थल पर अंगदान जागरूकता को समर्पित हरे रंग की रोशनी की गई ।एमएफजेसीएफ प्रमुख व पूर्व राज्यमंत्री राजीव अरोड़ा और संयोजक भावना जगवानी के प्रयास एवम पहल पर गत पांच वर्ष से इस तरह की शुरुआत की गई है। गौरतलब है एमएफजेसीएफ की स्थापना ग्यारह वर्ष पूर्व राजस्थान में अंगदान जागरूकता की मुहिम के उद्देश्य से की गई थी और फाउंडेशन के भागीरथी प्रयास के बदौलत आज राजस्थान अंगदान में उत्तर भारत में प्रथम स्तर पर है।

राठौड़ के स्वागत में युवा मोर्चा की बाइक रैली, एयरपोर्ट पर होगा स्वागत

भव्य समारोह में शनिवार को कार्यभार ग्रहण करेंगे मदन राठौड़

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सहित राष्ट्रीय पदाधिकारी, केंद्रीय मंत्री, राज्य सरकार के मंत्री, सांसद, विधायक, भाजपा प्रदेश पदाधिकारी समारोह में होंगे शामिल

चमकता राजस्थान

जयपुर। भाजपा के नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ शनिवार को भव्य समारोह के बीच पदभार ग्रहण करेंगे। पदभार ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी, प्रेमचंद बैरवा, प्रदेश सह प्रभारी विजया राहटकर, केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव, गजेंद्र सिंह शेखावत, अर्जुनराम मेघवाल, भागीरथ चौधरी, भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे, निवर्तमान प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी, राजेंद्र राठौड, सतीश पूनिया, अरूण चतुर्वेदी, अशोक परनामी सहित राजस्थार सरकार के मंत्रिमंडल के मंत्रीगण, सांसद, विधायक,

जिला प्रमुख, प्रधान, भाजपा के प्रदेश पदाधिकारी, मोर्चा व प्रकोष्ठों के पदाधिकारी सहित सभी 200 विधानसभाओं से कार्यकर्ता पदभार ग्रहण समारोह में उपस्थित रहेंगे।

भाजपा की राष्ट्रीय मंत्री और प्रदेश सह प्रभारी विजया राहटकर ने बताया कि मदन राठौड़ के प्रदेश अध्यक्ष बनने से पूरे प्रदेश के भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह है और प्रदेशभर से हजारों कार्यकर्ता उनके कार्यभार ग्रहण कार्यक्रम में सहभागी होने के लिए जयपुर पहुंच रहे है। शनिवार सुबह 11.00 बजे नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ दिल्ली से जयपुर एयरपोर्ट पहुंचेगे। इस दौरान भाजपा के प्रमुख नेता एयरपोर्ट पर नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ का स्वागत करेंगे। इसके बाद युवा मोर्चा के हजारों कार्यकर्ताओं एयरपोर्ट से ''बाइक रैली'' के माध्यम से प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के साथ-साथ पार्टी कार्यालय तक आएंगे। भाजपा प्रदेश कार्यालय पर दोपहर 12 बजे पूजन के बाद नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड पदभार ग्रहण करेंगे। पदभार ग्रहण करने के बाद प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ सहित पार्टी के अन्य नेता कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करेंगे। इसके बाद दोपहर 3 बजे भाजपा प्रदेशाध्यक्ष राठौड़ प्रदेश पदाधिकारी, संभाग प्रभारी, सह प्रभारियों की बैठक लेंगे। इसके बाद 4.00 बजे समस्त जिलाध्यक्षों की बैठक लेंगे।

प्रदेश सह प्रभारी विजया राहटकर ने बताया कि प्रदेशाध्यक्ष राठौड़ शनिवार शाम 5 बजे मोती डूंगरी गणेश मंदिर, 5.30 बजे जयपुर के आराध्य गोविंद देव जी मंदिर, शाम 6.00 बजे राजापार्क स्थित गुरूद्वारा और 6.30 बजे जवाहर नगर स्थित जैन मंदिर में देव दर्शन करेंगे। प्रदेश सह प्रभारी विजया राहटकर ने बताया कि पदभार ग्रहण समारोह को लेकर राजधानी जयपुर में भव्य साज सज्जा की गई है। शहर भर में कार्यकर्ताओ द्वारा भाजपा के ध्वज, बैनर, होर्डिंग लगाए गए है और भाजपा प्रदेश कार्यालय पर सजावट की गई। कार्यक्रम को भव्य रूप प्रदान करने के लिए अलग-अलग पदाधिकारियों को अलग-अलग कार्यों की जिम्मेदारी दी गई है। पिछले एक सप्ताह से ये सभी कार्यकर्ता इस आयोजन की तैयारी में लगे हैं। शुक्रवार को व्यवस्था में लगे सभी कार्यकर्ताओं की एक बैठक प्रदेश कार्यालय में आयोजित की गई। जिसे निवर्तमान प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी और प्रदेश सह प्रभारी विजया राहटकर ने संबोधित किया। इस दौरान कार्यक्रम की अब तक की तैयारियों की समीक्षा की गई।

सामाजिक कार्यों में विशेष योगदान के लिए, सेवानिवृत्ति के अवसर पर शिक्षक भारद्वाज का विभिन्न सामाजिक संगठनों ने किया सम्मान

चमकता राजस्थान

भरतपुर,(राजवीर सिंह) विभिन्न सामाजिक संगठनों की ओर से, श्री ब्राह्मण सभा के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाजसेवी कौशलेश शर्मा के नेतृत्व में सामाजिक कार्यों में विशेष योगदान देने के लिए, सेवानिवृत्ति के अवसर पर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कूम्हां, ब्लॉक सेवर के अध्यापक अनिल भारद्वाज को साफा, माला, दुपट्टा पहनाकर एवं भगवान श्री बांके बिहारी जी का प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों की ओर से भी शिक्षक अनिल भारद्वाज का सम्मान किया गया एवं उनके दीर्घायु जीवन के लिए, उन्हें शुभकामनाएं प्रदान की। इस अवसर पर कौशलेश शर्मा ने बताया कि शिक्षक

अनिल भारद्वाज व्यवहार कुशल, समाजसेवी, कार्य के प्रति ईमानदार एवं मृदुभाषी व्यक्तित्व के धनी हैं। शिक्षा एवं समाज के क्षेत्र में आपकी सेवाऐं समर्पित एवं मददगार रही हैं। शिक्षा के क्षेत्र में अपने विभिन्न संगठनों से जुड़कर अपना नेतृत्व प्रदान किया है। उन्होंने अपने कार्य क्षेत्र में विशेष योग्यता रखने वाले शिक्षक अनिल भारद्वाज ओजस्वी व्यक्तित्व के धनी रहे हैं। इस अवसर पर उन्होंने शिक्षक अनिल भारद्वाज के सेवा कार्य-व्यवहार की भी प्रशंसा की। अनिल भारद्वाज ने उपस्थित शुभचिंतकों को शिक्षा व समाज सेवा के क्षेत्र में इसी तरह योगदान देते रहने का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर आदित्य आरपी शर्मा,समता आंदोलन के जिलाध्यक्ष केदार पाराशर,वरिष्ठ समाजसेवी आर. एन.तिवारी,सेवानिवृत्ति सहायक लेखाधिकारी ईश्वरीप्रसाद शर्मा, अन्नपूर्णा रसोई के संचालक विष्णुदत्त शर्मा सहित विभिन्न समाजों के प्रतिनिधि मौजूद रहे। समाजसेवी शिक्षक अनिल भारद्वाज ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

स्वतंत्रता दिवस समारोह की पूर्व तैयारियों के संबंध में बैठक आयोजित, अधिकारियों को दिए दिशा निर्देश

चमकता राजस्थान

धौलपुर(रामदास तरुण) । 2 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस समारोह की पूर्व तैयारियों के संबंध में शुक्रवार को जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर जिला कलक्टर ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस का मुख्य समारोह परंपरागत एवं गरिमामयी तरीके से आयोजित किया जाएगा। आयोजन से जुड़े अधिकारी समय रहते सभी तैयारियां सुनिश्चित करें। उन्होंने बताया कि स्वतंत्रता दिवस का

मुख्य कार्यक्रम आरएसी ग्राउंड में होगा! जहां मुख्य अतिथि द्वारा झंडारोहण किया जाएगा। जिला कलक्टर ने समारोह स्थल पर बैठक, पेयजल, टेन्ट, साउंड सिस्टम, निमंत्रण पत्र, सुरक्षा, बैरिकेडिंग, परैड सहित सभी तैयारियों की पूर्व समीक्षा की। उन्होंने बताया कि समारोह में झंडारोहण, सांस्कृतिक कार्यक्रम और सामूहिक व्यायाम का प्रदर्शन होगा। मुख्य समारोह में बैठक, सफाई व्यवस्था के लिए नगर परिषद आयुक्त को जिम्मेदारी दी गई। जिला कलक्टर ने कहा कि बरसात की संभावना को देखते हुए पूर्व में ही सभी आवश्यक व्यवस्थाएं करना सुनिश्चित करें।

सामुदायिक सहभागिता सप्ताह के तहत कार्यशाला आयोजित

चमकता राजस्थान। धौलपुर(रामदास तरुण) । महिला एवं बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार आयोजित 100 दिवसीय संकल्प अभियान अंतर्गत जिले में आयोजित किये जा रहे सामुदायिक सहभागिता सप्ताह का आयोजन महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र बाड़ी कोतवाली की वार्षिक कार्यशाला के साथ सन शाइन कान्वेंट विद्यालय, अग्रसेन विहार बाड़ी में आयोजित किया गया।महिला अधिकारिता विभाग के सौजन्य से पुलिस थाना बाड़ी में संचालित महिला सुरक्षा एवं सलाह केंद्र को ग्रामीण सेवा संस्थान धौलपुर द्वारा संचालित किया जा रहा है! अध्यक्षता करते हुए सहायक निदेशक विश्व देव पांडेय द्वारा नवीन क्रिमिनल लॉज, घरेलू हिंसा अधिनियम, कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न से संरक्षण अधिनियम के साथ आईएम शक्ति उद्यम प्रोत्साहन योजना की जानकारी देते हुए अधिकाधिक महिलाओं को शिक्षा सेतु एवं अन्य विभागीय योजनाओं से लाभान्वित किये जाने की अपील की। थानाधिकारी पुलिस थाना बाड़ी शिवलहरी मीणा द्वारा मोबाइल के उपयोग में सावधानी बरतने का संदेश देते हुए सभी महिला सुरक्षा सखियों से अपने पास थानाधिकारी, एचएम, बाल कल्याण पुलिस अधिकारी और बीट कांस्टेबल के नम्बर रखने के निर्देश दिए। अतिरिक्त सीबीईओ कल्याणसिंह मीणा द्वारा ब्लॉक के विद्यालयों में महिला सुरक्षा की स्थिति पर प्रकाश डाला गया। जेंडर स्पेशलिस्ट कनुप्रिया कौशिक द्वारा संकल्प अभियान और महिला संरक्षण के लिये सामुदायिक सहभागिता की आवश्यकता के बारे में जानकारी दी। पूर्व सदस्य बाल कल्याण समिति बृजेश मुखरिया द्वारा महिला, बाल एवं वृद्ध कल्याण पर भावुक उद्बोधन दिया। बाल अधिकारिता के ओआरडब्लू योगेश शर्मा द्वारा बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम के बारे में बताया गया। एमएसएसके काउंसलर एडवोकेट संध्या भारद्वाज द्वारा केंद्र की कार्य प्रणाली समझाई गयी। कार्यक्रम का संचालन काउंसलर आरती भारद्वाज द्वारा किया गया। मौके पर ही विद्यालय में कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न निवारण की आंतरिक समिति, चाइल्ड राइट्स क्लब और प्रहरी क्लब का गठन किया गया। कार्यक्रम में सुपरवाइजर अर्चना शर्मा, संस्था प्रधान सागर बंसल, स्वास्थ्य विभाग से सोनू मीणा, महिला अधिकारिता विभाग की बाड़ी ब्लॉक की साथिन, स्कूली छात्राएं, शिक्षिकायें, स्थानीय महिलाएं, आदि उपस्थित रही।

यूनिकॉमर्स ईसॉल्यूशंस लिमिटेड का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम 06 अगस्त, 2024 को खुलेगा

चमकता राजस्थान

नयी दिल्ली। यूनिकॉमर्स ईसॉल्यूशंस लिमिटेड (यूनिकॉमर्स या कंपनी), का आईपीओ 06 अगस्त, 2024 (ऑफर) को खुलेगा।

इक्विटी शेयरों के कुल ऑफर आकार में 25,608,512 इक्विटी शेयरों (बिक्री के लिए प्रस्तावऱ) तक की ऑफर फार सेल शामिल है, जिनमें से 9,438,272 इक्विटी शेयरों को ऐसवेक्टर लिमिटेड (जिसे पहले स्नैपडील लिमिटेड के नाम से जाना जाता था) (ऱप्रमोटर सेलिंग शेयरधारकऱ) द्वारा और एसबी इन्वेस्टमेंट होल्डिंग्स पीटीई लिमिटेड द्वारा 16,170,240 इक्विटी शेयर (''निवेशक बिक्री शेयरधारक'', प्रमोटर बिक्री शेयरधारक, ''विक्रय शेयरधारक'') के साथ बिक्री के लिए ऑफर किया जा रहा है। आईआईएफएल सिक्योरिटीज लिमिटेड और सीएलएसए इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ऑफर (बीआरएलएम) आईपीओ के बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं।

ऑफर का उद्देश्य (i) बेचने वाले शेयरधारकों द्वारा 25,608,512 इक्विटी शेयरों की बिक्री करना और (ii) बीएसई लिमिटेड (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड ((ऱएनएसईऱ बीएसई के साथ, स्टॉक एक्सचेंज) पर इक्विटी शेयरों को सूचीबद्ध करने का लाभ प्राप्त करना है। (ऑफर का उद्देश्य)। एनएसई ऑफर के संबंध में नामित स्टॉक एक्सचेंज है।

यह इक्विटी शेयर कंपनी द्वारा दायर 30 जुलाई 2024 के रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) के माध्यम से नई दिल्ली में कंपनी रजिस्ट्रार, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली और हरियाणा, भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के साथ पेश किए जा रहे हैं।

यह ऑफर प्रतिभूति अनुबंध (विनियमन) नियम, 1957 के नियम 19(2) (बी) के अनुसार किया जा रहा है, जैसा कि भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (पूंजी का इशचू) के विनियमन 31 के साथ पढ़ा गया संशोधित (ऱएससीआरआरऱ) और यथासंशोधित (ऱसेबी आईसीडीआर विनियमऱ) प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2018, है। यह ऑफर सेबी आईसीडीआर विनियमों के विनियम 6(2) के अनुसार

- **प्राइस बैंड 102 से 108 प्रति इक्विटी शेयर, प्रत्येक शेयर का 1 अंकित मूल्य (इक्विटी शेयर) तय किया गया है।**
- **आईपीओ मंगलवार, 06 अगस्त, 2024 को खुलेगा और गुरुवार, 08 अगस्त, 2024 को बंद होगा। एंकर निवेशक सोमवार, 05 अगस्त, 2024 को आवेदन कर सकेंगे।**
- **न्यूनतम आवेदन 138 इक्विटी शेयरों के लिए और उसके बाद 138 इक्विटी शेयरों के गुणकों में किया जा सकता है।**

बुक बिल्डिग प्रक्रिया के माध्यम से किया जा रहा है, जिसमें ऑफर का कम से कम 75% योग्य संस्थागत खरीदारों (क्यूआईबी, और ऐसे क्यूआईबी भाग) को आनुपातिक आधार पर आवंटित किया जाएगा। हमारी कंपनी बीआरएलएम की सलाह से, सेबी आईसीडीआर विनियम (ऱएंकर निवेशक भागऱ) के अनुसार विवेकाधीन आधार पर एंकर निवेशकों को क्यूआईबी हिस्से का 60% तक आवंटित कर सकती है। इसमें से कम से कम एक तिहाई केवल घरेलू म्यूचुअल फंड के आवंटन के लिए आरक्षित होगा, बशर्ते कि घरेलू म्यूचुअल फंड से वैध बोलियां सेबी आईसीडीआर विनियमों के अनुसार एंकर निवेशक आवंटन मूल्य पर या उससे ऊपर प्राप्त हों। एंकर निवेशक हिस्से में कम सदस्यता, या गैर-आवंटन की स्थिति में, शेष इक्विटी शेयरों को शुद्ध क्यूआईबी हिस्से में जोड़ा जाएगा।

इसके अलावा, नेट क्यूआईबी भाग का 5% केवल म्यूचुअल फंड के लिए आनुपातिक आधार पर आवंटन के लिए उपलब्ध होगा, और शेष क्यूआईबी भाग एंकर निवेशकों के अलावा सभी क्यूआईबी बोलीदाताओं के लिए आनुपातिक आधार पर म्यूचुअल फंड सहित आवंटन के लिए उपलब्ध होगा। वैध बोलियां ऑफर मूल्य पर या उससे ऊपर प्राप्त होने के अधीन है। हालाँकि, यदि म्यूचुअल फंड की कुल मांग नेट क्यूआईबी हिस्से के 5% से कम है, तो आवंटन के लिए उपलब्ध शेष इक्विटी शेयर क्यूआईबी को आनुपातिक आवंटन के लिए शेष क्यूआईबी हिस्से में जोड़ दिए जाएंगे।

इसके अलावा, ऑफर का 15% से अधिक हिस्सा गैर-संस्थागत बोलीदाताओं (एनआईबी) को आनुपातिक आधार पर आवंटन के लिए उपलब्ध नहीं होगा। जिनमें से (ए) ऐसे हिस्से का एक तिहाई हिस्सा 2,00,000 से अधिक और 10,00,000 तक के आवेदन आकार वाले आवेदकों के लिए आरक्षित होगा और (बी) ऐसे हिस्से का दो-तिहाई हिस्सा 10,00,000 से अधिक के आवेदन आकार वाले आवेदकों के लिए आरक्षित होगा, बशर्ते कि ऐसी उप-श्रेणियों में से किसी एक में सदस्यता रहित हिस्से को एनआईबी की अन्य उप-श्रेणी में आवेदकों को आवंटित किया जा सकता है और ऑफर का कम से कम 10% सेबी आईसीडीआर विनियमों के अनुसार खुदरा व्यक्तिगत बोलीदाताओं (आरआईबी) को आवंटन के लिए उपलब्ध होगा, बशर्ते वैध बोलियां ऑफर मूल्य पर या उससे ऊपर प्राप्त हों।

एंकर निवेशकों के अलावा सभी संभावित बोलीदाताओं को यूपीआई बोलीदाताओं (यहां इसके बाद परिभाषित) के मामले में अपने संबंधित बैंक खाते (यूपीआई आईडी (यहां इसके बाद परिभाषित) सहित) का विवरण प्रदान करके ब्लॉक राशि (एएसबीए) प्रक्रिया द्वारा समर्थित एप्लिकेशन का अनिवार्य रूप से उपयोग करना आवश्यक है।) जिसमें संबंधित बोली राशि अस्बा द्वारा, या ऑफर में भाग लेने के लिए लागू यूपीआई तंत्र के तहत अवरुद्ध कर दी जाएगी। एंकर निवेशकों को अस्बा प्रक्रिया के माध्यम से एंकर निवेशक हिस्से में भाग लेने की अनुमति नहीं है। बुक बिल्डिग प्रोसेस और ऑफर प्रक्रिया के संबंध में विवरण के लिए, कृपया आरएचपी के पृष्ठ 327 पर ऑफर प्रक्रिया शीर्षक वाला अनुभाग देखें। यहां उपयोग किए गए लेकिन परिभाषित नहीं किए गए सभी बड़े अक्षरों वाले शब्दों का वही अर्थ होगा जो आरएचपी में बताया गया है।

पुलिस थाना भटटा बस्ती की कार्यवाही

प्रतिबन्धित नशीली शीशीया बरामद व एक व्यक्ति गिरफ्तार

चमकता राजस्थान।

- **आरोपी नशा करने का आदी है**
- **आरोपी के कब्जे से बिना ड्राक्टर की प्रिस्क्रिप्शन व बिना लाईसैन्स के कुल 370 प्रतिबन्धित नशीली शीशीया बरामद**
- **बढ़ रही नशे की प्रवृत्ति चिंतनीय, नशा मानव समाज के लिए एक अभिशाप है : कैलाश कुमार विश्नोई**

जयपुर (खलील कुरैशी) राशि डोगरा डूडी पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर ने बताया कि जयपुर शहर मे नशा करने की घटनाओ को मध्य नजर रखते हुये बजरंग सिह अति पुलिस उपायुक्त जयपुर उतर व भोपाल सिह भाटी सहायक पुलिस आयुक्त शास्त्री नगर जयपुर उत्तर के निर्देशानुसार थाना भट्टाबस्ती पर थानाधिकारी श्री कैलाश विश्नोई पु.नि. के नेतृत्व में थाना भट्टा बस्ती की कार्यावाहीदिनांक 02-08-2024 को पुलिस थाना क्षेत्र मे अवैध रुप से अश्क्छ की शीशीया बिना डॉक्टर की प्रिस्क्रिप्श- एंव वैध लाईसेन्स के बैचने की सूचना पर थानाधिकारी कैलाश बिश्नोई पु नि एंव ड्रग इन्सपेक्टर पूनम महेन्द्रा द्वारा आरोपी मोहम्मद राजा हुसैन पुत्र मोहम्मद हबीब आलम उम्र 27 साल निवासी गांव इस्लामपुर मोहल्ला मलहा बिगहा थाना इस्लामपुर बिहार हाल खड्डा मस्जिद के सामने वाली गली राजीव नगर कच्ची बस्ती थाना भट्टाबस्ती जयपुर को पकडा एंव उसके कब्जे से अवैध रुप से रखी 370 अश्क्छ की शीशीया जो कि जी-शेड्यूल ड्रग्स की श्रेणी में आता है जिसका सेवन डॉक्टर की प्रिस्क्रिप्श- पर ही लिया, रखा या वैचा जा सकता है। आरोपी उक्त शीशीयो को युवाओ को इंजेक्शन के तौर पर वैचता है जिसे युवा नशे के लिए इसका उपयोग करते है जिसके ओवरडोज से जान जाने का खतरा रहता है। आरोपी के विरुध ड्रग्स इन्सपेक्टर द्वारा विधिक कार्यवाही की जा रही है।

नियंत्रण कक्षों का निरीक्षण कर दिए जरूरी दिशा निर्देश

जिला कलक्टर ने जलभराव प्रभावित क्षेत्रों में स्थापित शेल्टर होम्स का किया दौरा

चमकता राजस्थान

जयपुर, (खलील कुरैशी) 02 अगस्त। जिला कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने शुक्रवार को जल भराव प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर प्रभावितों से मुलाकात कर हालात की जानकारी ली और परिवारों से संवाद किया।जिला कलक्टर ने वीकेआई क्षेत्र में प्रभावितों के लिए स्थापित शेल्टर होम का निरीक्षण किया और अधिकारियों को सभी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उनको बताया गया कि वीकेआई के आकेड़ा डूंगर की उच्च माध्यमिक विद्यालय में बने शेल्टर होम में 100 से ज्यादा प्रभावितों को राहत दी जा रही है। राजपुरोहित ने बताया कि मुहाना क्षेत्र में भी शेल्टर होम बनाया गया है, जहां सैंकड़ों प्रभावितों को रखा जा रहा है जहां मेडिकल की टीम प्रभावितों की सुबह शाम जांच कर रही है और भोजन की निरंतर आपूर्ति की जा रही है।कलेक्टर ने इस दौरान बनीपार्क और वीकेआई क्षेत्रों में स्थापित नियंत्रण कक्षों का भी निरीक्षण किया। इस दौरान एसडीएम आमेर बजरंग स्वामी सहितअन्यअधिकारीगण उपस्थित रहे।जिला कलक्टर ने आमजन से बारिश के दौरान सतर्क एवं सुरक्षित रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि आगामी दिनों में जिले में भारी बारिश होने की संभावना है ऐसे में निचले इलाकों एवं जर्जर भवनों में निवास कर रहे नागरिकों से जिला प्रशासन सुरक्षित स्थान पर जाने की अपील करता है। राजपुरोहित ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा मानसून सीजन के दौरान किसी भी प्रकार की आपदा से निपटने के लिए जिला स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष के साथ साथ स्थानीय बाढ़ नियंत्रण कक्षों की भी स्थापना की गई है। बाढ़ एवं जलभराव की स्थिति में आमजन किसी भी समय बाढ़ नियंत्रण कक्षों पर संपर्क कर मौके पर त्वरित राहत प्राप्त कर सकते हैं।उल्लेखनीय है कि बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए जिला स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित है जहां दूरभाष नंबर- 0141-2204475, 0141-2204476 पर संपर्क किया जा सकता है।

बाढ़ एवं जलभराव की स्थिति में स्थानीय बाढ़ नियंत्रण कक्षों पर भी किया जा सकता है संपर्क

जिला कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने बताया कि आमजन जयपुर नगर निगम द्वारा अग्निशमन केंद्रों पर संचालित घाटगेट बाढ़ नियंत्रण कक्ष मोबाइल नंबर- 8279179063, आमेर बाढ़ नियंत्रण कक्ष मोबाइल नंबर- 8279179060, वीकेआई बाढ़ नियंत्रण कक्ष मोबाइल नंबर- 8764880070, मालवीय नगर बाढ़ नियंत्रण कक्ष मोबाइल नंबर- 8764880030, मानसरोवर बाढ़ नियंत्रण कक्ष मोबाइल नंबर- 8764880060 एवं बनीपार्क बाढ़ नियंत्रण कक्ष (कांवटिया चिकित्सालय के पीछे) मोबाइल नंबर- 8279179150 पर संपर्क किया जा सकते हैं।साथ ही, आमजन जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा बनीपार्क में संचालित बाढ़ नियंत्रण कक्ष दूरभाष नंबर- 0141-2203518 पर सपंर्क कर सकते हैं। स्वेज फार्म सामुदायिक केन्द्र पर स्थापित बाढ़ नियंत्रण कक्ष का समन्वयक अधिकारी अधिशाषी अभियंता केसी गुप्ता मोबाइल नंबर- 9928699991, सामुदायिक केन्द्र दांतली पर स्थापित बाढ़ नियंत्रण कक्ष का समन्वयक अधिकारी अधिशाषी अभियंता इरशाद अहमद मोबाइल नंबर- 8764231092 एवं वैशाली नगर सामुदायिक केन्द्र पर स्थापित बाढ़ नियंत्रण कक्ष का समन्वयक अधिकारी अधिशाषी अभियंता तरुण सिंघल 8769383749 नियुक्त किया गया है।

आगरा मंडल ने टिकट चेकिंग में जुलाई - 2024 में 28053 केस दर्ज कर 1.55 करोड़ का जुर्माना वसूला

चमकता राजस्थान

आगरा। यात्रियों को बेहतर सेवा देने के लिए संकल्पित आगरा रेल मंडल द्वारा निरंतर सर्वोत्तम प्रयास किए जा रहे हैं! जिसके चलते रेल राजस्व में भी वृद्धि हो रही हैं। मंडल रेल प्रबंधक आगरा तेज प्रकाश अग्रवाल के मार्गदर्शन में व वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अमित आनन्द के नेतृत्व में चल रही टिकट चेकिंग के कार्य में वाणिज्य विभाग की टिकट चेकिंग टीम द्वारा जुलाई माह में रु.1.55 करोड़ का राजस्व अर्जित किया है। आगरा रेल मंडल में बिना टिकट, अनियमित टिकट धारक, बिना बुक्ड लगेज, आदि के जरिए न स्फिर्फ अनाधिकृत यात्री व अनियमित गतिविधियों को रोकने का प्रयास किया जा रहा है! बल्कि विभिन्न आय स्त्रोतों से अधिक आय अर्जन हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे है, वाणिज्य विभाग की टिकट चेकिंग टीम ने जुलाई 2024 में बिना टिकट 16632 केस पर 1.04 करोड़ रू, अनियमित टिकट 11413 केस पर 51 लाख, बिना बुक्ड लगेज यात्रा करने वाले 08 केस पर 6920 रु. जुर्माना लगाया गया! जिनसे कुल 28053 प्रकरण दर्ज किए, जिनसे जुर्माना स्वरूप रु. 1.55 करोड़ का राजस्व वसूल किया गया। जनसंपर्क अधिकारी कु. प्रशस्ति श्रीवास्तव ने बताया कि भविष्य में भी मंडल द्वारा रेलवे स्टेशनों एवं आरक्षित/अनारक्षित यात्री गाड़ियों में नियमित रूप से सघन टिकट जाँच कराई जायेगी ताकि बिना टिकट/ अनाधिकृत यात्रियों की यात्रा पर अंकुश लगाया जा सके । सभी यात्रियों से अनुरोध किया जाता है की वैध टिकट लेकर ही यात्रा करे।

प्रदेश में गुमशुदा व्यक्तियों की तलाश के लिए राज्य व्यापी ऑपरेशन 'उल्लास' शुरू

- **अपनों को अपनों से मिलाने आगामी 31 अगस्त तक चलेगा विशेष अभियान**

चमकता राजस्थान। जयपुर,(खलील कुरैशी) 02 अगस्त।

अपनों को अपनों से मिलाने के लिए राजस्थान पुलिस द्वारा प्रदेश में एक अगस्त से राज्य स्तर पर विशेष अभियान 'आपरेशन उल्लास' शुरू किया गया है। इसकी मॉनिटरिंग पुलिस मुख्यालय द्वारा की जाएगी।अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस सिविल राइट्स एवं एएचटी भूपेन्द्र साहू ने बताया कि राज्य में गुमशुदा महिला एवं पुरुष के लंबित प्रकरणों को दृष्टिगत रखते हुए समस्त जिलों में गुरुवार 1 अगस्त से 31 अगस्त, 2024 तक विशेष अभियान ₹उल्लास₹ चलाया जा रहा है। इसका प्रमुख उद्देश्य गुमशुदा व्यक्तियों की सक्रियता से तलाश करते हुए प्रदेश में ऐसे पेंडिंग प्रकरणों में कमी लाना है।एडीजी साहू ने बताया कि अभियान में तकनीकी सहायता के लिए जिला स्तरीय साइबर सेल को जोड़ते हुए प्रत्येक जिले द्वारा इस अभियान में की गई कार्रवाई की साप्ताहिक प्रगति रिपोर्ट पुलिस मुख्यालय में सिविल राइट्स एवं एएचटी शाखा पर संकलित कर मॉनिटरिंग की जाएगी।एडीजी ने बताया कि अभियान को सफल बनाने एवं अधिक से अधिक गुमशुदा महिलाओं व पुरुषों को दस्तयाब करने के लिए मेहनत व लगन से काम करने वाली पुलिस कर्मियों को पुरस्कृत किया जाएगा वही उदासीनता व लापरवाही बरतने वाले पुलिस कर्मियों के विरुद्धअनुशासनात्मक कार्रवाई अमल में लाई जायेगी।

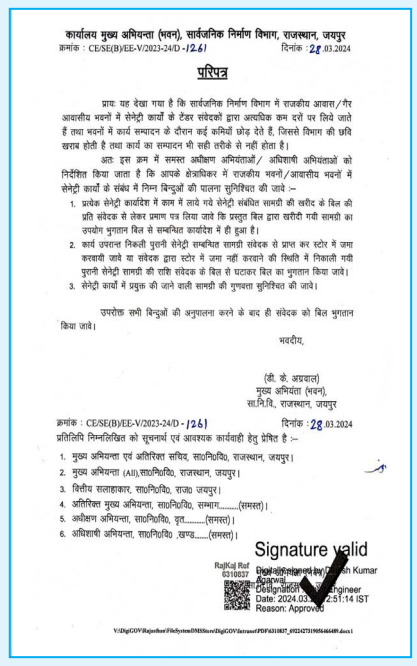

सार्वजनिक निर्माण विभाग वृत्त शहर जयपुर की चोकियों मैं नहीं है पुराने सामान का लेखा जोखा

विभाग की चौकियों पर बरसों से जमे मुंशी,सुपरवाइज़र की मिलीभगत से हो रहा खेल

चमकता राजस्थान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भ्रष्टाचार के ख़िलाफ़ ज़ीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य कर रहे हैं उनका कहना है कि भ्रष्ट अधिकारियों को नहीं बख़्शा जाएगा लेकिन सार्वजनिक निर्माण विभाग वृत्त शहर जयपुर में कांग्रेस सरकार के समय लगे अधिकारी अपनी करतूतों से बाज़ नहीं आ रहे हैं मिली जानकारी के अनुसार सार्वजनिक निर्माण विभाग की चौकियों पर पुराने सामान का कोई लेखा जोखा नहीं है ओर जो कुछ थोड़ा बहुत लेखा जोखा उन्होने कर रखा है उसकी यदि फिजिकल वेरीफिकेशन कराई जाए तो करोड़ों का घोटाला सामने आ सकता है ,मिली जानकारी के अनुसार चौकियों पर लगभग दस साल से अधिक वर्षों से वही पुराने मुंशी,सुपरवाइज़र लगे हुए हैं जो परमानेंट काम करने वाले ठेकेदारों के मुँह लगे हुए हैं, जिनका काम अपने अधिकारियों और ठेकेदारों को खुश रखना मात्र है विभाग के घाटे नफ़े से उन्हें कोई मतलब नहीं है, सरकारी टेंडर में भाग लेने वाले ठेकेदारों को पुराने सामान को विभाग में जमा कराना अनिवार्य होता है लेकिन आपसी मिलीभगत से ठेकेदार पुराने सामान जैसे लोहे की जाली, लोहे के गेट , फ़र्नीचर,पुराना लोहा ,पत्थर आदि खुर्दबुर्द कर देते हैं और एक चौकी का सामान दूसरी चौकी पर लगाकर विभाग को वित्तीय हानि पहुँचाते हैं।

कार्यालय मुख्य अभियन्ता (भवन), सार्वजनिक निर्माण विभाग, राजस्थान, जयपुर

क्रमांक : CE/SE(B)/EE-V/2023-24/D -1261   दिनांक : 28.03.2024

परिपत्र

प्रायः यह देखा गया है कि सार्वजनिक निर्माण विभाग में राजकीय आवास/गैर आवासीय भवनों में सेनेट्री कार्यों के टेंडर संवेदकों द्वारा अत्यधिक कम दरों पर लिये जाते हैं तथा भवनों में कार्य सम्पादन के दौरान कई कमियाँ छोड़ देते हैं, जिससे विभाग की छवि खराब होती है तथा कार्य का सम्पादन भी सही तरीके से नहीं होता है।

अतः इस क्रम में समस्त अधीक्षण अभियंताओं/ अधिशाषी अभियंताओं को निर्देशित किया जाता है कि आपके क्षेत्राधिकर में राजकीय भवनों/आवासीय भवनों में सेनेट्री कार्यों के संबंध में निम्न बिन्दुओं की पालना सुनिश्चित की जावे :-

1. प्रत्येक सेनेट्री कार्यादेश में काम में लाये गये सेनेट्री संबंधित सामग्री की खरीद के बिल की प्रति संवेदक से लेकर प्रमाण पत्र लिया जावे कि प्रस्तुत बिल द्वारा खरीदी गयी सामग्री का उपयोग भुगतान बिल से सम्बन्धित कार्यादेश में ही हुआ है।
2. कार्य उपरान्त निकली पुरानी सेनेट्री सम्बन्धित सामग्री संवेदक से प्राप्त कर स्टोर में जमा करवायी जावे या संवेदक द्वारा स्टोर में जमा नहीं करवाने की स्थिति में निकाली गयी पुरानी सेनेट्री सामग्री की राशि संवेदक के बिल से घटाकर बिल का भुगतान किया जावे।
3. सेनेट्री कार्यों में प्रयुक्त की जाने वाली सामग्री की गुणवत्ता सुनिश्चित की जावे।

उपरोक्त सभी बिन्दुओं की अनुपालना करने के बाद ही संवेदक को बिल भुगतान किया जावे।

भवदीय,

(डी. के. अग्रवाल)
मुख्य अभियंता (भवन),
सा.नि.वि., राजस्थान, जयपुर

क्रमांक : CE/SE(B)/EE-V/2023-24/D - 1261   दिनांक : 28.03.2024

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है :-

1. मुख्य अभियन्ता एवं अतिरिक्त सचिव, सा0नि0वि0, राजस्थान, जयपुर।
2. मुख्य अभियन्ता (AII),सा0नि0वि0, राजस्थान, जयपुर।
3. वित्तीय सलाहाकार, सा0नि0वि0, राज0 जयपुर।
4. अतिरिक्त मुख्य अभियन्ता, सा0नि0वि0, सम्भाग.........(समस्त)।
5. अधीक्षण अभियन्ता, सा0नि0वि0, वृत.........(समस्त)।
6. अधिशाषी अभियन्ता, सा0नि0वि0 ,खण्ड.......(समस्त)।

Signature valid
RajKaj Ref 6310837
Reason: Approved

V:\DigiGOV\Rajasthan\FileSystemDMSStore\DigiGOV\Intranet\PDF\6310837_6922427319056466489.docx1

कार्यों की गुणवत्ता हो रही प्रभावित

ठेकेदारों द्वारा पुराने सामान को काम में लिए जाने अथवा पुराने सामान को अपने पास ही रख लेने से उन्हें वित्तीय लाभ हो रहा है वही सरकारी टेंडरों में बिलो दरों पर कार्य करने से कार्य की गुणवत्ता प्रभावित हो रही है क्योंकि ठेकेदार पुराने माल का आकलन कर टेंडरों की दर टेंडर में भरते हैं।

एमएएस रजिस्टर भी अधूरा

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सभी पुरानी सैनेट्री सामग्री के रिकॉर्ड के लिए सार्वजनिक निर्माण विभाग की प्रत्येक चौकी पर एक एमएएस रजिस्टर बनाया जाता है सार्वजनिक निर्माण विभाग की चौकियों पर भी रजिस्टर में भी कई सालों से सही तरीक़े से एंट्री नहीं की जा रही है! नियमों के अनुसार प्रत्येक सैनेट्री कार्यादेश में काम लाई गई सैनेट्री संबंधित सामग्री की ख़रीद के बिल की प्रति संवेदक से ली जानी आवश्यक है साथ ही प्रस्तुत बिल द्वारा ख़रीदी गई सामग्री का उपयोग भुगतान बिल से संबंधित कार्योदेश में ही हुआ है यह भी बताना आवश्यक है! कार्य उपरांत निकली पुरानी सैनेट्री कार्यों संबंधित सामग्री संवेदक से प्राप्त कर स्टोर में जमा करवाई जानी चाहिए यही नहीं संवेदक द्वारा स्टोर में जमा नहीं करवाने की स्थिति में निकाली गई पुरानी सभी सैनेट्री सामग्री की राशि संवेदक के बिल से घटाकर भुगतान करना चाहिए।

लेकिन सार्वजनिक निर्माण विभाग जयपुर शहर इन नियमों को दरकिनार कर बिलों का भुगतान कर करोड़ों रुपये की राजस्व की हानि पहुँचा रहा है।

इसी हानि के मद्देनज़र मुख्य अभियंता (भवन) सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान जयपुर ने दिनांक 28-3-2024 को एक आदेश निकाला था।

विधानसभा में सरकार नहीं दे रही जवाव

इआरसीपी और यमुना जल पर सरकार दे रही हैं धोखाः रामकिशन

चमकता राजस्थान

भरतपुर (राजवीर सिंह) समाजवादी नेता और भरतपुर के पूर्व सांसद पंड़ित रामकिशन ने कहा कि राजस्थान की सरकार पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना तथा यमुना के पानी से जुड़े मामलों को लेकर जनता को धोखा दे रही है और विधान सभा में भी सरकार सवालों का जवाब नहीं दे रही ।

पंड़ित रामकिशन ने कहा कि सरकार ईआरसीपी को लेकर शुरू से ही जनता के साथ मजाक और गुमराह करती रही है । सरकार समझौते को छुपा रही है और भाजपा की अन्तर कलह का खामियाजा पूर्वी राजस्थान की जनता को उठना पड़ रहा है । भाजपा के तमाम जिम्मेदार नेता इस योजना का श्रेय पूर्व मुख्यमंत्री बसुंधरा राजे को नहीं देना चहाते । उन्होंने कहा कि इस वर्ष भी भारी मात्रा में चम्बल और उसकी सहायक नदियों का पानी हर वर्ष की तरह बेकार बहकर समुद्र में जा रहा है लेकिन सरकार इस पानी को किसानों के लिये क्यों नहीं देना चहाती । पूर्व सांसद ने कहा कि जब पर्यात पानी था तभी तो वसुंधरा सरकार ने 50% जल निरभरता पर यह योजना बनबाई थी फिर अब इसको क्यों छोटी किया जा रहा । उन्होंने जोर देकर कहा कि 75% जल निरभरता पर स्वीकृत योजना से खेती के लिये पानी नहीं मिल सकता ।

उन्होंने कहा की वर्ष 1994 में हुऐ यमुना जल समझौते का पूरा पानी नहीं मिल रहा सरकार को पूरा पानी लेना चाहिये पड़ौसी सभी राज्यों में भाजपा की सरकारे हैं ।

पंड़ित रामकिशन ने कहा कि वर्तमान सरकार ने जो यमुना जल का समझौता किया है वो भी गोलमोल है इस तरह से तो चूरू , झुंझूनू की धरती की प्यास कैसे बुझेगी । उन्होंने भरतपुर के विधायक सुभाष गर्ग को भी धन्यवाद् दिया जिन्होंने पानी के दोनों मुद्दों को विधानसभा में उठाया लेकिन सरकार सही उत्तर नहीं दे सकी और इसी तरह भरतपुर , डीग ' आदी जिलों के अन्य विधायकों को भी तरह तरह से अपने प्रयासों से पानी की समस्या का समाधान कराना चाहिये । उन्होंने कहा कि पानी के सवालों को लेकर हम लोग लगातार संघर्ष करते रहे है अब जनता को भी इन मुद्दों पर विचार करना चाहिये । उन्होंने भरतपुर डीग जिलों में प्रथम चरण में सिंचाई पानी देने की माँग की। जबकी किसान नेता इन्दल सिंह जाट ने कहा कि बर्बादी से बचने के लिये और पानी का उपयोग के लिये भी सरकार को चम्बल नदी के पानी को नदियों को जोड़कर वाणगंगा नदी ' गम्भीर और रुपारेल में लाना चाहिये । उन्होंने कहा कि सभी सरकारों ने सिंचाई पानी के सवालों की अनदेखी की और नदियों को जोड़ने पर कभी ध्यान नहीं दिया ।

किसान नेता इन्दल सिंह ने कहा कि वगैर पानी के खेती खतरे में है और किसानों के लिये सिंचाई का पानी मिलना चाहिये । उन्होंने कहा कि सरकार खुद चम्बल और उसकी सहायक नदियों के पानी को समुद्र में छोड़ रही है जो पानी बेकार बहकर जा रहा है सरकार को इस पानी का उपयोग किसानों की प्यासी धरती की सिंचाई में करना चाहिये । उन्होंने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल पानी की जरूरत को जानते है इसलिये उनको प्राथमिकता के तौर पर पूर्वी राजस्थान के इन जिलों में किसानों के लिये सिंचाई के पानी का प्रबंध करना चाहिए।

पहले सिंचाई को मिले पानी

सुभाष गर्ग को दिया धन्यवाद

बंगाल राशन वितरण घोटाला :

ईडी ने टीएमसी नेता और उसके भाई को किया गिरफ्तार

कोलकाता/एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल में करोड़ों रुपये के राशन वितरण घोटाला मामले में तृणमूल कांग्रेस के एक नेता और उसके भाई को गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान उत्तर 24 परगना जिले के देगंगा में तृणमूल कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष अनिसुर रहमान उर्फ बिदेश और उसके छोटे भाई अलिफ नूर उर्फ मुकुल के रूप में हुई है। सम्मन किए जाने पर, दोनों गुरुवार दोपहर को पूछताछ के लिए साल्ट लेक स्थित केंद्र सरकार कार्यालय (सीजीओ) परिसर में ईडी के कार्यालय पहुंचे थे। सूत्रों ने बताया कि करीब 14 घंटे की लंबी पूछताछ के बाद, शुक्रवार को करीब 2.30 बजे ईडी अधिकारी ने दोनों भाइयों को गिरफ्तार कर लिया।

दोनों को बाद में कोलकाता में पीएमएलए की एक विशेष अदालत में पेश किया जाएगा। सूत्रों ने कहा कि ईडी के वकील मामले में आगे की पूछताछ के लिए उनकी हिरासत की मांग करेंगे।

इससे पहले मंगलवार को ईडी के अधिकारियों की एक टीम ने उत्तर 24 परगना जिले के देगंगा सामुदायिक विकास खंड में बेराचम्पा में हाई टेक राइस मिल के कार्यालय में मैराथन छापेमारी और तलाशी अभियान चलाया था। ये दोनों बिदेश और मुकुल की मिलें है। उसी दिन, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के कर्मियों के साथ ईडी अधिकारियों की विभिन्न टीमों ने उत्तर 24 परगना और दक्षिण 24 परगना जिलों में नौ अन्य स्थानों पर मैराथन छापेमारी और तलाशी अभियान चलाया था।

बिदेश और मुकुल व्यवसायी बकीबुर रहमान के चचेरे भाई हैं, जिन्हें ईडी अधिकारियों ने इसी मामले में सबसे पहले गिरफ्तार किया था।

छापे और तलाशी अभियान के दौरान, केंद्रीय एजेंसी के अधिकारियों ने मामले में बिदेश और मुकुल की संलिप्तता की ओर इशारा करते हुए कई अहम दस्तावेज बरामद किए थे।

संक्षिप्त खबरें

नालंदा में ड्रग्स से युवक की मौत

बिहारशरीफ। नालंदा में एक युवक की ड्रग्स से मौत होने का मामला सामने आया है। मृतक दीपनगर थाना क्षेत्र के देवी सराय मोहल्ला निवासी गुरुदेव पासवान का 22 वर्षीय पुत्र टुनटुन पासवान है। मृतक के परिजन का आरोप है कि टुनटुन पासवान को उसके दोस्तों ने ही ड्रग्स का इंजेक्शन लगाया था। जब वह बेहोश हो गया, तो सभी दोस्त उसे छोड़कर भाग गए। बाद में किसी एक दोस्त ने उसे पावापुरी विम्स हॉस्पिटल और फिर निजी क्लीनिक में भर्ती कराया। युवक की मौत होने के बाद, उसके दोस्तों ने परिजन को सूचना दी। परिजन युवक को बिहारशरीफ सदर अस्पताल ले गये, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वीडियो में भी देखा गया है कि मृतक के दोस्त ड्रग्स लेकर सदर अस्पताल पहुंचे हुए थे, जिससे स्पष्ट होता है कि बिहार में शराबबंदी के बाद अब ड्रग्स तेजी से फैल रहा है। इस संबंध में दीपनगर थानाध्यक्ष नारद मुनि ने बताया कि सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचकर शव को पोस्टमार्टम की प्रक्रिया शुरू की गई है और लिखित आवेदन मिलने पर आगे की कार्रवाई की जायेगी।

डायरिया से दर्जनों आक्रांत, एक की मौत

नालंदा। नालंदा जिले के इस्लामपुर प्रखंड के सोनमाँ गाँव में पिछले एक सप्ताह से डायरिया बीमारी का प्रकोप फैला हुआ है। इस बीमारी से 28 के राजबल्लम मिस्त्री की मौत हो गई है। दर्जनों लोग इस बीमारी की चपेट में आ गए हैं और उनका इलाज जीवन दीप अस्पताल, गया रोड इस्लामपुर स्थित क्लिनिक में हो रहा है। आक्रांत व्यक्तियों में सुनैना देवी (40) पति सुदामा प्रसाद, सोनाली कुमारी (13), विश्कर्मा पिता अरविन्द केवट (10), वलीराम प्रसाद (35), सुजीत राम (30), कृष्णा केवट, रानी कुमारी (20) सुदामा केवट की पत्नी, नरेश केवट की सास और उमेश चौधरी की पत्नी शामिल हैं। इन सभी का इलाज स्थानीय डॉक्टरों द्वारा किया जा रहा है। ग्रामवासी बांके सिंह ने बताया कि पिछले एक सप्ताह से गाँव में डायरिया का प्रकोप फैला हुआ है, जिससे एक व्यक्ति की मौत हो चुकी है।इस्लामपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉक्टर को सूचना दी गई है, लेकिन सरकारी इलाज न मिलने के कारण स्थिति गंभीर बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं की कमी के चलते लोगों की जान पर बन आई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से अपील की है कि जल्द से जल्द इस मामले में हस्तक्षेप कर आवश्यक कदम उठाए जाएं ताकि और लोगों की जान बचाई जा सके।

उर्वरक कालाबाजारी पर डीएम ने कसा शिकंजा

बिहारशरीफ। जिलाधिकारी शशांक शुभंकर की अध्यक्षता में जिला उर्वरक निगरानी समिति की समीक्षा बैठक शुक्रवार को हुई। बैठक में उर्वरक कालाबाजारी की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित पदाधिकारियों को कई निर्देश दिए गए।जिलाधिकारी ने उर्वरक थोक एवं खुदरा विक्रेताओं पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए। साथ हीं उन्होंने जोर देकर कहा कि उर्वरक नियंत्रण कक्ष के दूरभाष संख्या 06112-231143 पर किसानों द्वारा दर्ज की गई शिकायतों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित किया जाए।जिलाधिकारी ने कहा कि किसान सलाहकारों और संबंधित पदाधिकारियों को आवंटित उर्वरक दुकानों का नियमित भ्रमण करते हुए जांच करनी चाहिए। अनुमंडलीय स्तर पर धावा जांच दल का गठन और प्रखंड स्तरीय निगरानी समिति की बैठक सुनिश्चित की जानी चाहिए।वहीं पॉस स्टॉक के आधार पर दुकानों का भौतिक सत्यापन किया जाए और खुदरा उर्वरक विक्रेताओं की वार पदाधिकारी के साथ टाइगिंग सुनिश्चित की जाए।

नालंदा में तीन राजस्व कर्मचारी बर्खास्त

बिहारशरीफ। नालंदा के जिलाधिकारी शशांक शुभंकर ने तीन राजस्व कर्मचारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की है। यह कार्रवाई उनके कार्य में लापरवाही और अनुचित व्यवहार के कारण की गई है।सुरेश प्रसाद को एकंगरसराय में दाखिल खारिज वाद में गलत प्रतिवेदन देकर स्वीकृति हेतु अनुशंसा करने के कारण निलंबित कर दिया गया है। प्रशांत कुमार को भी एकंगरसराय में दाखिल खारिज वाद में बिना भूमि सुधार उपसमाहर्ता के आदेश के आवेदन को स्वीकृति हेतु अनुशंसा करने के विरुद्ध निलंबित किया गया है।संजय कुमार सिंह को इस्लामपुर में बिना संपूर्ण राजस्व अभिलेखों की जांच किये भौतिक सत्यापन के बिना सरकारी भूमि को रैयती होने का प्रतिवेदन देने और दाखिल खारिज अधिनियम का उल्लंघन करने के विरुद्ध बर्खास्त किया गया है। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि भविष्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही या अनुचित कार्यों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

विधानसभा में 10 रूपए में आलू बेचे शुभेंदु, महंगाई के खिलाफ बीजेपी का प्रदर्शन

कोलकाता। हु हु होकर रोज की जरूरतों की चीजों के दाम तेजी से बढ़ रहे हैं। सामानों की कीमत में बढ़ोतरी के विरोध में बीजेपी का विधानसभा से वॉकआउट। पद्म शिबिर ने विधानसभा के गेट पर अनोखा विरोध प्रदर्शन किया। विपक्षी नेता शुभेंदु अधिकारी की पहल पर प्रतीकात्मक सब्जियां बेची गईं। वे 10 रुपये किलो प्रति आलू बेचे। भाजपा ने मूल्य वृद्धि के विरोध में शुक्रवार को विधानसभा में मुलतबी प्रस्ताव पेश किया। विधानसभा में इस पर चर्चा हो रही थी। उस समय गेरुआ शिबिर सत्र कक्ष से बाहर चले गये। शुवेंदु अधिकारी अपने गले में सब्जियों की तख्तियां लटकाकर 10 रूपए प्रति किलोग्राम के हिसाब से आलू बेचते हैं। शुवेंदु ने प्रतीकात्मक सब्जियां बेचते हुए कहा, 20 रूपए में थैली, 20 रूपए डबल थैली, 20 रूपए में टमाटर, 20 रूपए में शिमला मिर्च, 20 रूपए में लहसुन, 20 रूपए में अदरक, 20 रूपए में बीन्स ।

भाजपा ने बिहार में आरक्षण को बढ़ने से रोकने का काम किया : तेजस्वी

आरक्षण की सीमा 65 प्रतिशत बढ़ाने को लेकर उन लोगों ने केंद्र सरकार से अपील की थी इसे 9वीं अनुसूची में शामिल किया जाए

एजेंसी

पटना। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने पत्रकार वार्ता में कहा कि भाजपा वालों ने बिहार में आरक्षण को बढ़ने से रोकने का काम किया है। तेजस्वी यादव ने कहा कि केंद्र सरकार अध्यादेश लाकर इसके विसंगतियों को दूर करें। तेजस्वी यादव ने नीतीश कुमार को भी इशारों ही इशारों में ऑफर देते हुए कहा कि यदि केंद्र की सरकार नीतीश कुमार की बात नहीं मान रही है तो नीतीश कुमार सरकार गिरा दें। तेजस्वी ने कहा कि सांसद मनोज झा ने आरक्षण को 9वीं अनुसूची में डालने को लेकर प्रश्न पूछा था लेकिन भाजपा की ओर से कोई जवाब नहीं दिया गया। तेजस्वी ने कहा कि महागठबंधन की सरकार ने देश में पहली बार किसी राज्य में जाति आधारित गणना करवाई और 65 प्रतिशत आरक्षण व्यवस्था लागू की लेकिन भारतीय जनता पार्टी के लोग अपने आदमियों से कोर्ट में खड़ा कराकर इसे रोकने करने का प्रयास किया। हम तो बिहार के सीएम नीतीश कुमार से सवाल करना चाहते हैं कि जातीय गणना पूरे देश में होना चाहिए यही मुख्यमंत्री ने भी कहा था। उसके बाद हम उनसे यह पूछना चाहते हैं कि क्या सीएम पूरे देश में जातीय गणना चाहते या नहीं ? अगर इस बार भी केंद्र सरकार उनकी बात नहीं मानती है तो उनको सरकार गिरा देना चाहिए लेकिन, वो सिर्फ सत्ता का मौज ले रहे हैं। तेजस्वी यादव ने कहा कि आरक्षण की सीमा 65 प्रतिशत बढ़ाने को लेकर उन लोगों ने केंद्र सरकार से अपील की थी इसे 9वीं अनुसूची में शामिल किया जाए। तमिलनाडु की तर्ज पर इसे भी 9वीं अनुसूची में शामिल किया जाए। ताकि इसके साथ कोई छेड़छाड़ ना कर सके। तेजस्वी ने कहा कि केंद्र में नीतीश कुमार ताकतवर हैं और भी साथ थे तभी आरक्षण का दायरा बढ़ा था। ऐसे में उनको भाजपा पर दवाब बनाना चाहिए और बात नहीं मानी जाती है तो सरकार गिरा देना चाहिए ।

जीवन व स्वास्थ्य बीमा में जीएसटी वापस नहीं लिया गया तो सड़कों पर विरोध प्रदर्शन, ममता ने दी चेतावनी

संवाददाता

कोलकाता। बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा पर जीएसटी लगाने का कड़ा विरोध किया। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा सकारात्मक कार्रवाई नहीं करने पर सड़कों पर उतरकर आंदोलन की चेतावनी दी है। गुरुवार को ममता बनर्जी ने एक्स हैंडल पर लिखा, 'भारत सरकार से हमारी मांग है कि जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम से जीएसटी हटाया जाए। क्योंकि ये आम लोगों के स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों से जुड़े हैं। जीएसटी का मुद्दा इसलिए खराब है क्योंकि इससे लोगों की बुनियादी जरूरतें प्रभावित होती हैं। अगर सरकार ने जनविरोधी जीएसटी वापस नहीं लिया तो हम सड़कों पर उतरने को मजबूर होंगे। सांसद डोला सेन ने गुरुवार को राज्यसभा में भी यह मुद्दा उठाया। जीएसटी को वापस लेने की मांग को लेकर तृणमूल शुक्रवार को लोकसभा में स्थगन प्रस्ताव पेश किया। एक्स हैंडल में सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस ने सबसे पहले इस मामले को 29 जुलाई को संसद में उठाया था। इस मुद्दे पर सरकार के भीतर भी मतभेद पैदा हो गया है। केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने खुद वित्त मंत्री को पत्र लिखकर जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा पर टैक्स छूट की मांग की है। उन्होंने यह भी कहा कि जीवन और स्वास्थ्य बीमा पर 18 फीसदी जीएसटी से बीमा क्षेत्र में संकुचित कर रहा है। वहीं, वरिष्ठ नागरिकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

राशन भ्रष्टाचार मामले में 2 और गिरफ्तार

संवाददाता

कोलकाता। बाकिबूर के करीबी देगंगा तृणमूल नेता और उनके भाई को राशन भ्रष्टाचार मामले में गिरफ्तार किया गया है। केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी ने गुरुवार को 14 घंटे की मैराथन पूछताछ के बाद देर रात उन्हें गिरफ्तार कर लिया। आज यानी शुक्रवार को उन्हें कोर्ट में हाजिर किया गया। पता चला है कि हिरासत में लिये गये राशन भ्रष्टाचार मामले में गिरफ्तार बाकीबुर के करीबी हैं। केंद्रीय जांच एजेंसी लंबे समय से राशन भ्रष्टाचार मामले की जांच कर रही है। पूर्व मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक समेत कई अन्य को गिरफ्तार किया गया है। पूर्व मंत्री के करीबी बकीबुर रहमान का नाम भी सूची में है। देगंगा के तृणमूल नेता अनीसुर रहमान और उनके भाई अलीफ को गुरुवार को सीजीओ कॉम्प्लेक्स में बुलाया गया था। वे दोपहर करीब 12 बजे हाजिर हुए थे। उनसे 14 घंटे तक पूछताछ की गई। बाद में उस रात उन दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। सूत्रों के मुताबिक, ज्योतिप्रिय और बाकिबुर के योग को लेकर दोनों ने मुंह नहीं खोला। संयोग से, चुनाव के बाद राशन घोटाला मामले पर अंकुश लगाने के लिए ईडी फिर से सक्रिय हो गया है। पिछले सोमवार सुबह करीब 5:30 बजे बशीरहाट, राजारहाट में पूर्व खाद्य मंत्री ज्योतिप्रिय मल्लिक के करीबी कारोबारी बारिक विश्वास के घर और दफ्तर की तलाशी ली गई थी। रात 11 बजे तक यदि अधिकारी चले गये। उसी दिन ईडी ने देगंगा के मुकुल रहमान और अनीसुर रहमान के घरों की भी तलाशी ली। वे बाकिबुर के रिश्तेदार हैं, जिन्हें राशन भ्रष्टाचार मामले में ईडी ने पकड़ा था। जांचकताओं ने दोनों के मोबाइल फोन जब्त कर लिए हैं। ज्ञात हो कि रहमान के पास डीएलएड, बीएड कॉलेजों के अलावा बाराचपा, देगंगा में आवासीय मिशन हैं। जांचकर्ता उनकी आय का स्रोत जानना चाहते थे। इस बार अनीसुर और 2 अन्य को गिरफ्तार कर लिया गया है।

बीएनआई ने कोलकाता सीबीडी (ए) और नॉर्थ से बिजनेस व बियॉन्ड 2024 का आयोजन किया

संवाददाता

कोलकाता। दुनिया का सबसे बड़ा बिजनेस नेटवर्किंग और रेफरल मार्केटिंग संगठन, बीएनआई (बिजनेस नेटवर्क इंटरनेशनल), एक अद्वितीय उच्च गुणवत्ता वाला बिजनेस शिखर सम्मेलन ₹बिजनेस एंड बियॉन्ड 2024 आयोजित करने जा रहा है। यह कार्यक्रम इस साल 9 अगस्त (शुक्रवार) से 11 अगस्त (रविवार) तक बिस्वा बांग्ला मेला परिसर में आयोजित किया जाएगा। बीएनआई कोलकाता सीबीडी (ए) और नॉर्थ द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम उद्यमियों और उद्योगपतियों के लिए एक अभूतपूर्व मंच बनने के लिए तैयार है।

डॉ. इवान मिस्नर द्वारा 1985 में स्थापित, बीएनआई के 79 देशों में 11,172 से अधिक अध्यायों में 327,219 से अधिक सदस्य हैं। पिछले 12 महीनों में, बीएनआई सदस्यों ने दुनिया भर में 14.06 मिलियन रेफरल पास किए हैं, जिसके परिणामस्वरूप 1,83,762 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार हुआ है। भारत में, इठक्क 131 शहरों में 1236 से अधिक चैप्टर और 59,571 से अधिक सदस्यों के साथ काम करता है, 40,41,914 रेफरल पास किए और पिछले साल 39,444 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार किया।

बीएनआई कोलकाता सीबीडी (ए) और उत्तर के कार्यकारी निदेशक बिमल सामल, राहुल अग्रवाल और राहुल मोहता के नेतृत्व में, 11 वर्षों से अधिक के गौरवशाली इतिहास वाला एक क्षेत्र। 33 अध्यायों में 2021 से अधिक सदस्यों के साथ, इस क्षेत्र ने 1,31,983 व्यावसायिक रेफरल पारित किए हैं और पिछले 12 महीनों में 2195 करोड़ से अधिक का व्यवसाय (ळ ऋछइ) किया है। विशेष रूप से, बीएनआईञ कोलकाता सीबीडी (ए) को 2017 और 2019 में दुनिया में नंबर एक क्षेत्र के रूप में स्थान दिया गया था।

अपना उत्साह व्यक्त करते हुए, समिति के अध्यक्ष दीपक शर्मा ने कहा, हम इस अविश्वसनीय शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने के लिए रोमांचित हैं! 'बिजनेस एंड बियॉन्ड 2024' सभी प्रकार के व्यवसायों के लिए नेटवर्क बनाने, सीखने और बढ़ने का एक सुनहरा अवसर है।

नवादा में खुलेआम बिक रहा गांजा, बर्बाद हो रही युवाओं की जिंदगी

एजेंसी

नवादा। नवादा नगर सहित ग्रामीण इलाकों के गुमटियों में खुलेआम गांजे की बिक्री हो रही है। शराबबंदी के बाद युवाओं में नारकोटिक्स ड्रग गांजे की बढ़ती लत ने उनकी जिंदगी को ही बर्बाद कर रखा है। पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी इस दिशा में सही तरीके से काम नहीं कर रहे। जिसके कारण स्थिति गंभीर बनी हुई है। नवादा नगर थाने के समीप पुरानी कचहरी रोड के कई गुमटियों में भी खुलेआम गांजे की बिक्री की जा रही है। बावजूद उनके विरुद्ध पुलिस अधिकारी कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। गांजे की लत में कश लगाकर धुआं उड़ाते हुए युवाओं की ज़िन्दगी बर्बाद हो रही है। दुकानों पर गांजा के पेपर पैकेट ऐसे बिक रहे हैं, जैसे कोई साधारण चीज, लेमनचूस या कोल्ड ड्रिंक हो, इसका मतलब साफ है कि शहर में गांजा आसानी से उपलब्ध है। बिहार में भले ही शराब पर रोक लगी हो, लेकिन अब शराब की जगह गांजा ने पूरी तरह कब्जा जमा लिया है। यह केवल गरीबों का मसला नहीं है; ऊंची सोसाइटी के युवा भी इसमें शामिल हो रहे हैं। मादक पदार्थों की बिक्री पर रोक लगाने की जिम्मेदारी नारकोटिक्स विभाग व पुलिस की होती है, लेकिन वे अक्सर छोटे कस्बों तक नहीं पहुँच पाते। इलाकाई पुलिस की चौकसी के बावजूद गांजे की बिक्री पर काबू नहीं पाया जा रहा है। गांजा की पुड़िया खास गलियों में खुलेआम बिक रही है। भांग की दुकानों पर छापेमारी के दौरान गांजा पकड़े जाने की कई घटनाएँ हैं। अब समय आ गया है कि एक सख्त अभियान चलाकर अवैध मादक पदार्थों की बिक्री पर लगाम लगाई जाए। समाज के हर लोगों को मिलकर इस गंभीर समस्या का समाधान ढूंढना होगा और युवाओं को एक सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य देने की दिशा में कदम उठाना होगा। युवा नशे में अपना भविष्य खराब कर रहे हैं, सड़क दुर्घटना में भी युवाओं की संख्या बढ़ रही है, कुछ तो गांजा का सेवन कर हाई स्पीड लिमिट में बाइक दौड़ते दुर्घटना का शिकार हो रहे है। तो कई गम्भीर बिमकरियो के शिकार हो रहे हैं।

अवैध निर्माण की बिजली काटने की तत्परता, हाईकोर्ट ने संयुक्त टीम बनाने का दिया आदेश

कोलकाता। पूर्वी कोलकाता में अनेक आर्द्रभूमियों को साफ करके आवास विकसित किये गये हैं। जो वास्तव में अवैध है। कोलकाता हाई कोर्ट ने अवैध निमार्णों की बिजली काटने के लिए संयुक्त टीम गठित करने का आदेश दिया है। गार्डेनरिच मामले के बाद से, राज्य और अदालतें अवैध निर्माण पर सख्त हो गई हैं। कोलकाता हाई कोर्ट ने कई निमार्णों को खाली कराने और बिजली काटने का आदेश दिया। लेकिन सीईएससी और डब्ल्यूबीएसईडीसीएल अवैध निर्माण की पहचान कर बिजली काटने के आदेश को लागू करने में विफल रही। दोनों बिजली आपूर्ति कंपनियों ने एक साथ कहा, आदेश लागू नहीं किया गया है क्योंकि सभी अवैध निमार्णों की पहचान अभी तक नहीं की गई है।

इसके बाद जस्टिस अमृता सिन्हा ने संयुक्त टीम बनाकर अवैध निमार्णों की पहचान करने।

बिहार केन्द्रीय चयन पर्षद की लिखित परीक्षा सात से २८ अगस्त तक, तैयारी पूरी

एजेंसी

पटना। बिहार केन्द्रीय चयन परिषद (सिपाही भर्ती) की लिखित परीक्षा सात से 28 अगस्त तक छह चरणों में आयोजित होगी। सात अगस्त को पहली और 28 को आखिरी परीक्षा होगी। इस परीक्षा में कुल 17,87,720 अभ्यर्थियों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। प्रत्येक तिथि में लगभग 2.5 से तीन लाख अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मिलित होंगे। परीक्षा राज्य के सभी 38 जिला मुख्यालयों के 545 केन्द्रों पर आयोजित होगी। केंद्रीय चयन परिषद (सिपाही भर्ती) के अध्यक्ष जितेंद्र कुमार ने शुक्रवार को पत्रकार वार्ता में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि परिषद, पुलिस मुख्यालय एवं राज्य सरकार ने परीक्षा की सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। राज्य के मुख्य सचिव एवं पुलिस महानिदेशक के स्तर से सभी जिला पदाधिकारियों एवं पुलिस अधीक्षकों के साथ समीक्षा बैठक कर उन्हें कड़ाई से स्वच्छ परीक्षा सम्पादन के लिए निर्देशित किया गया है। जितेंद्र ने बताया कि राज्य के साईबर थाना एवं आर्थिक अपराध इकाई के स्तर से सोशल मीडिया आदि पर परीक्षा से संबंधित निगरानी प्रारम्भ की जा चुकी है। संदिग्ध बातों या व्यक्तियों पर नजर रखी जा रही है। स्थानीय पुलिस को परीक्षा एवं परीक्षा से पूर्व हॉस्टल, लॉज, कोचिंग सेन्टर एवं इसी प्रकार के अन्य संस्थान जहां अभ्यर्थियों एवं छात्रों आदि का जमावड़ा हो सकता है, पर निगरानी एवं आसूचना संकलन के निर्देश दिए गए हैं।

बिहार अंतरराष्ट्रीय सात्विक वीणा वादक पंडित सलिल भट्ट के वीणा वादन से झूम उठे बच्चे

बच्चों को क्लासिकल संगीत से जोड़ने की अपील

एजेंसी

नवादा। मॉडर्न इंगलिश स्कूल न्यू एरिया नवादा के सभागार में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त सात्विक वीणा वादक पंडित सलिल भट्ट ने अपने सात्विक वीणा वादन से विद्यार्थियों का भरपूर आनंद वर्धन किया। आईआईटी दिल्ली के प्रोफेसर किरण सेठ के द्वारा स्थापित संस्था स्पीक मेके द्वारा देश एवं दुनिया में क्लासिकल म्यूजिक का बढ़ावा देने के लिए क्लासिकल म्यूजिक के कलाकारों को देश के कोने-कोने में स्थित शिक्षण संस्थानों के बच्चों को एवं लोगों के बीच क्लासिकल म्यूजिक का बढ़ावा देने के लिए यह कार्यक्रम किया जाता है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना चुके पंडित सलिल भट्ट एवं उनके साथ तबले पर संगत करने वाले प्रसिद्ध तबला वादक कौशिक कोनवार ने आज मॉडर्न इंग्लिश स्कूल के सभागार में अपने वीणा से जब सरगम बजाकर बच्चों को वीणा के मीठी आवाज के द्वारा मंत्रमुग्ध कर दिया। मॉडर्न स्कूल के बच्चों ने भी अंतर्राष्ट्रीय वीणा वादक को अपने बीच देखकर बहुत आनंदित हो रहे थे। पंडित सलिल भट्ट ने अब तक दुनिया के पांच महादेश के कई देशों में अपने वीणा वादन का जलवा बिखेर चुके हैं। राजस्थान से आने वाले प्रसिद्ध वीणा वादक ने बच्चों को क्लासिकल संगीत के बारे में बहुत अच्छी तरह से समझाया और बच्चों को उसे जुड़ने का अपील किया। उन्होंने कहा कि दुनिया की सभी संगीत अच्छा है और हम लोग को संगीत का भरपूर आनंद लेना चाहिए। लेकिन हम लोग को इस बात का गर्व है कि दुनिया में सबसे पुराना संगीत विद्या भारत का क्लासिकल ही है जो आज दुनिया के कई देशों में धीरे-धीरे फैलते जा रहा है। भारत में भी फिर से स्पिक मैके के द्वारा अपनी क्लासिकल म्यूजिक को पुनः नई पीढ़ी को अवगत कराने की कोशिश की जा रही है। लगभग 1 घंटे तक अपने सात्विक वीणा और श्री कौशिक कोनवार के तबले की धुन पर बच्चे तालियां बजाते रहे और आनंद उठाते रहे। इस अवसर पर मॉडर्न इंग्लिश स्कूल के निदेशक डॉ अनुज सिंह ने कहा कि स्पीक मेके द्वारा पिछले 15-16 वर्षों से मॉडर्न शैक्षणिक समूह के संस्थानों में कार्यक्रम होते रहे हैं और देश के कई प्रसिद्ध कलाकार जो देश, दुनिया में नाम कमाते हुए कई फिल्मों में भी अपना प्रस्तुति दिए हैं, वैसे कलाकार मॉडर्न शैक्षणिक समूह की संस्थाओं में आकर यहां के विद्यार्थियों को क्लासिकल म्यूजिक एवं अंतरराष्ट्रीय कलाकारों से परिचय कराना एक बहुत बड़ा कार्य है ।

पुलिस अभिरक्षा से फरार शातिर पिस्टल व कारतूस के साथ गिरफ्तार

एजेंसी

पूर्वी चंपारण। पकड़ीदयाल डीएसपी सुबोध कुमार के नेतृत्व में गड़हिया ओपी पुलिस की टीम ने गुरूवार को साढ़े चार माह पूर्व पुलिस की अभिरक्षा से हथकड़ी निकाल कर भागे एक शातिर बदमाश को उसके एक अन्य सहयोगी के साथ गिरफ्तार किया है इसकी जानकारी देते हुए डीएसपी ने बताया कि गिरफ्तार बदमाश गड़हिया ओपी क्षेत्र के सेमरा ग्राम का अजीत कुमार व सचिन कुमार है। अजीत बीते नौ मार्च को गड़हिया थाना से मधुबन थाना लाने के क्रम में मलंग चौक के पास लगे जाम के दौरान पुलिस अभिरक्षा से हथकड़ी निकाल कर भाग गया था। शातिर अजीत के विरूद्ध मधुबन थाने में वाहनों की चोरी, आर्म्स एक्ट, लूट व चोरी के वाहनों की खरीद-बिक्री करने के 6 व पिपरा थाने में दो मामले दर्ज हैं। उसके पास से चोरी की बुलेट बाइक, एक पिस्टल व दो जिंदा करतूस बरामद किया गया है। वहीं उसके सहयोगी बदमाश सचिन के पास से दिल्ली से चोरी गया एप्पल का एक मोबाइल बरामद किया गया है। संजीव मौआर, गड़हिया ओपी प्रभारी राजीव रंजन कुमार, राजेन्द्र पासवान सहित महिला व पुरूष पुलिस बल के जवान शामिल थे।

संक्षिप्त खबरें

पीएम मोदी से मिले जयराम ठाकुर, बादल फटने से हुई तबाही की दी जानकारी

शिमला। पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने शुक्रवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। उन्होंने हिमाचल में बादल फटने से हुई तबाही की भी प्रधानमंत्री को जानकारी दी। प्रधानमंत्री मोदी ने इस त्रासदी से निपटने में हिमाचल प्रदेश का सहयोग करने का पूरा भरोसा दिया और कहा कि राहत और बचाव कार्य के लिए एनडीआरएफ समेत अन्य केंद्रीय बलों को लगाया गया है। उन्होंने जयराम को भरोसा दिया कि इस त्रासदी से निपटने के लिए भविष्य में जिस भी संसाधन की आवश्यकता होगी, वह भी तत्काल उपलब्ध करवाई जाएगी। जयराम ठाकुर ने बताया कि प्रधानमंत्री ने भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं और जन प्रतिनिधियों से भी राहत और बचाव कार्य में जुटकर प्रभावितों की हर संभव मदद करने का आह्वान किया। जयराम ठाकुर ने आपदा राहत और बचाव कार्य के लिए हिमाचल प्रदेश को सहयोग करने के लिए धन्यवाद भी दिया।

कांग्रेस वायनाड में 100 से अधिक घर बनाएगी : राहुल गांधी

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को घोषणा की कि कांग्रेस वायनाड में 100 से अधिक घर बनाएगी। उन्होंने कहा कि केरल ने पहले किसी भी क्षेत्र में ऐसी त्रासदी नहीं देखी है और वह इस मुद्दे को राज्य व केंद्र दोनों के समक्ष उठाएंगे। कांग्रेस नेता राहुल गांधी इन दिनों वायनाड में राहत शिविरों का दौरा कर रहे हैं, जो तीन बड़े भूस्खलनों से प्रभावित हुआ है, जिसके परिणामस्वरूप 275 से अधिक लोगों की मौत हो गई और कई घर नष्ट हो गए। राहुल गांधी ने कहा कि वे कल गुरुवार से वायनाड में हैं। उन्होंने कहा कि यह एक भयानक त्रासदी है। हम कल साइट पर गये थे। हम शिविरों में गए, हमने वहां की स्थिति का आकलन किया। आज शुक्रवार को हमने प्रशासन और पंचायत के साथ बैठक की। उन्होंने हमें हताहतों की संख्या, क्षतिग्रस्त हुए घरों की संख्या और अपनी रणनीति के बारे में जानकारी दी। हमने कहा है कि हम हर संभव तरीके से मदद करने के लिए तैयार हैं। कांग्रेस यहां पर सौ घर बनाएगी।

देश में 22 एम्स किए गए स्थापित : नड्डा

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने लोकसभा में कहा कि अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) देशभर के नागरिकों के लिए अपनी बेहतरीन सेवाएं दे रहा है। हमारा विजन यह है कि देश के हर कोने से लोगों को इलाज के लिए दिल्ली के एम्स में न आना पड़े। इसलिए देश के कई राज्यों में एम्स स्थापित किए गए हैं। जिस तरह से दिल्ली एम्स में स्वास्थ सेवाएं दी जाती हैं, उसी ब्रांड नाम से तमाम राज्यों के एम्स में मरीजों का इलाज किया जाता है। लोक सभा में एक प्रश्न का जवाब देते हुए जेपी नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने दुनिया की सबसे अच्छी तृतीयक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के साथ देश के विभिन्न इलाकों में 22 से अधिक एम्स खोलने का काम किया है। 1960-70 के दशक में हमारे सबसे अच्छे डॉक्टर कहते थे कि हमारे पास देश में वह सुविधा नहीं है, जिसके लिए हम बाहर जा रहे हैं। आज प्रधानमंत्री मोदी ने 22 विश्व स्तरीय संस्थान बनाए हैं। देश के सभी एम्स में विश्व स्तरीय सुविधायें देने का प्रयास किया जा रहा है।

एयर इंडिया ने इजरायल जाने वाली उड़ानों पर 8 अगस्त तक लगाई रोक

नई दिल्ली। टाटा की अगुवाई वाली एयर इंडिया एयरलाइंस ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए तेल अवीव जाने और वहां से आने वाली अपनी उड़ानें तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दी है। कंपनी ने यह निर्णय मध्य पूर्व में जारी तनाव के कारण लिया है। ये निलंबन 8 अगस्त तक प्रभावी रहेगा। एयर इंडिया ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि मध्य पूर्व के कुछ हिस्सों में चल रही स्थिति को देखते हुए हमने 08 अगस्त तक तेल अवीव से आने-जाने वाली अपनी उड़ानों के निर्धारित संचालन को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। एयरलाइन ने यह भी कहा है कि वे स्थिति की लगातार निगरानी कर रहे हैं। इस अवधि के दौरान तेल अवीव की यात्रा के लिए पुष्टि किए गए बुकिंग वाले यात्रियों को पुनः निर्धारित करने और रद्द करने के शुल्क पर एक बार की छूट दे रहे हैं। इसके अलावा एक अन्य अपडेट में एयर इंडिया ने कहा कि एक अगस्त को दिल्ली से तेल अवीव की उड़ान संख्या एआई 139 और तेल अवीव से दिल्ली की उड़ान संख्या एआई 140 को परिचालन कारणों से रद्द कर दिया गया।

राष्ट्रपति 5 से 10 अगस्त तक तीन देशों की यात्रा पर जाएंगी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 5 से 10 अगस्त तक फिजी, न्यूजीलैंड और तिमोर-लेस्ते की राजकीय यात्रा करेंगी। यह भारत के किसी राष्ट्राध्यक्ष की फिजी की पहली यात्रा होगी। राष्ट्रपति की तीन देशों की यात्रा से पहले शुक्रवार को विदेश मंत्रालय के सचिव (पूर्व) जयदीप मजूमदार ने विशेष ब्रीफिंग में कहा कि भारत के फिजी, न्यूजीलैंड और तिमोर-लेस्ते के साथ मजबूत, गहरे और ऐतिहासिक संबंध हैं। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में भारत-न्यूजीलैंड के बीच मधुर एवं मैत्रीपूर्ण संबंधों में वृद्धि देखी गई, जिसे राष्ट्रपति मुर्मू की यात्रा से और गति मिलेगी।

विपक्ष के आरोपों का कृषि मंत्री ने राज्य सभा में दिया जवाब, बोले

किसान फायदे की खेती कर पाए, इसके लिए अनेक कदम उठाए गये

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राज्य सभा में विपक्ष (कांग्रेस) को आज जमकर घेरा। कृषि संबंधित प्रश्नों के जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने किसानों के कल्याण और किसानों के विकास के लिए कोई कदम नहीं उठाये। नरेन्द्र मोदी सरकार ने खेती और किसानों की हालत सुधारने के लिए चौतरफा प्रयास किए।

कृषि क्षेत्र के लिए बजट में कम प्रावधान किए जाने के विपक्ष (कांग्रेस) के आरोपों का शुक्रवार को राज्य सभा में जवाब देते हुए केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि कांग्रेस के डीएनए में किसान विरोध है। कांग्रेस की प्राथमिकताएं प्रारंभ से ही गलत रहीं जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में किसान फायदे की खेती कर पाए इसके लिए एक नहीं अनेक कदम उठाए गये हैं। केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि जवाहरलाल नेहरू 17 साल देश के प्रधानमंत्री रहे और तब देश को अमेरिका से आया सड़ा हुआ लाल गेहूं खाने को विवश होना पड़ता था। कांग्रेस के कार्यकाल में जबरन लेवी वसूल की जाती थी और किसानों की आय बढ़ाने का काम नहीं किया गया। एनडीए की सरकार की योजना कृषि क्षेत्र को संपन्न बनाना है। इसके लिए प्राथमिकताएं तय की गई हैं। इनमें उत्पादन बढ़ाना, उत्पादन की लागत घटाना, उत्पादन के ठीक दाम देना, प्राकृतिक आपदा में राहत की ठीक राशि देना, कृषि का विविधीकरण व प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना शामिल है।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने बताया कि पिछले वित्त वर्ष में अकेले कृषि के लिए 27 हजार 763 करोड़ रुपये आवंटित किए गए। इसे मौजूदा बजट में अब बढ़ाकर एक लाख 32 हजार 470 करोड़ रुपये कर दिया गया है। इसके अलावा एक लाख 75 करोड़ का अलग बजट है, जो खेती से जुड़े अन्य कार्यों के लिए हैं।

कांग्रेस काल में सिंचाई व्यवस्था रही नगन्य

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि कांग्रेस के कार्यकाल में सूखे खेतों में पानी पहुंचाने की सिंचाई की व्यवस्था पर कभी ध्यान नहीं दिया गया। मोदी सरकार की प्राथमिकता किसानों के खेतों में पानी पहुंचाने की है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश जैसे राज्य में कांग्रेस के कार्यकाल में महज 7.5 लाख हेक्टेयर में सिंचाई की व्यवस्था थी, जिसे बढ़ाकर हमने 47 लाख हेक्टेयर कर दिया। केंद्रीय मंत्री ने यहां पर सिंचाई के लिए नदियों को जोड़े जाने का ब्योरा दिया। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह ने बताया कि वर्ष 2013-14 में खाद पर 80 करोड़ की सब्सिडी मिलती थी, जिसे बढ़ाकर एक लाख 20 हजार करोड़ कर दिया गया है। यूरिया के 45 किलोग्राम के एक पैकेट पर 21 सौ रुपये की सब्सिडी दी जा रही है।

कृषि अर्थशास्त्रियों के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का पीएम करेंगे उद्घाटन

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को कृषि अर्थशास्त्रियों के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएई) का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने शुक्रवार को एक बयान जारी कर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 3 अगस्त को सुबह 9.30 बजे राष्ट्रीय कृषि विज्ञान केंद्र (एनएएससी) परिसर, नई दिल्ली में कृषि अर्थशास्त्रियों के 32वें अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएई) का उद्घाटन करेंगे। इस अवसर पर प्रधानमंत्री उपस्थित जनसमूह को संबोधित भी करेंगे।

बयान में कहा गया है कि अंतरराष्ट्रीय कृषि अर्थशास्त्री संघ द्वारा आयोजित यह त्रिवार्षिक सम्मेलन 2 से 7 अगस्त तक आयोजित किया जाएगा। आईसीएई 65 वर्षों के बाद भारत में आयोजित किया जा रहा है।

इस वर्ष के सम्मेलन का विषय है, 'स्थायी कृषि-खाद्य प्रणालियों की ओर परिवर्तन।' इसका उद्देश्य जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक संसाधनों का क्षरण, बढ़ती उत्पादन लागत और संघर्ष जैसी वैश्विक चुनौतियों के मद्देनजर टिकाऊ कृषि की तत्काल आवश्यकता से निपटना है। सम्मेलन में वैश्विक कृषि चुनौतियों के प्रति भारत के सक्रिय दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला जाएगा और कृषि अनुसंधान और नीति में देश की प्रगति को प्रदर्शित किया जाएगा।

आईसीएई 2024 युवा शोधकर्ताओं और अग्रणी पेशेवरों के लिए अपने काम को प्रस्तुत करने और वैश्विक साथियों के साथ नेटवर्क बनाने के लिए एक मंच के रूप में काम करेगा। इसका उद्देश्य अनुसंधान संस्थानों और विश्वविद्यालयों के बीच साझेदारी को मजबूत करना, राष्ट्रीय और वैश्विक दोनों स्तरों पर नीति निर्माण को प्रभावित करना और डिजिटल कृषि और टिकाऊ कृषि-खाद्य प्रणालियों में प्रगति सहित भारत की कृषि प्रगति को प्रदर्शित करना है।

स्वतंत्रता दिवस समारोह के मद्देनजर सुरक्षा के कड़े इंतजाम

दिल्ली में 16 अगस्त तक ड्रोन और पैरा ग्लाइडिंग पर पाबंदी

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर सुरक्षा कारणों के चलते 2 से 16 अगस्त तक ड्रोन और पैरा ग्लाइडिंग आदि पर प्रतिबंध लगा दिया है। दिल्ली पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा की ओर से जारी आदेश के मुताबिक अगर कोई पैराग्लाइडर, पैरा-मोटर्स, हैंग-ग्लाइडर, मानव रहित वायुयान (यूएवी), रिमोट चालित एयरक्राफ्ट, हॉट एयर बैलून, छोटे आकार के पावर्ड एयरक्राफ्ट या विमान से पैरा-जंपिंग आदि के जरिये आम लोगों, गण्यमान्य व्यक्तियों और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा को खतरा पैदा करता है तो उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

स्वतंत्रता दिवस पर आतंकी खतरे का खुफिया अलर्ट आने के बाद लालकिला व आसपास के इलाके में सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए हैं। स्वतंत्रता दिवस समारोह की सुरक्षा को अभेद्य बनाने के लिए लालकिले की आतंरिक घेर की सुरक्षा की कमान स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप (एसपीजी) को दी जाएगी। इसके साथ ही एनएसजी कमांडो फोर्स और अर्धसैनिक बलों की टीम की भी तैनाती की जाएगी है।

सुरक्षा को अभेद्य बनाने की कवायद में लालकिला के अंदर व बाहर के पेड़ों की सांकेतिक कोडिंग कर 'सुरक्षा खाका' तैयार किया गया है। इन पेड़ों का कोड निर्धारित कर करीब 3200 सुरक्षा प्वाइंट बनाए गए हैं, जहां से स्पेशल कमांडो दस्ते संदिग्धों पर पैनी नजर रखेंगे। इसके अलावा हेलीकाप्टर पर अत्याधुनिक हथियारों से लैस कमांडो टीम आकाश मार्ग से सुरक्षा की कमान संभालेगी।

बादल फटने से लापता 48 लोगों की तलाश तेज

एजेंसी

शिमला। हिमाचल प्रदेश के शिमला, कुल्लू और मंडी जिलों में बुधवार आधी रात बादल फटने से आई बाढ़ ने तबाही मचा दी। अब तक पांच शव बरामद हुए हैं, वहीं 48 लोग लापता हैं और इनकी तलाश में बचाव कार्य बड़े पैमाने पर जारी है। शिमला जिला के रामपुर से सटे समेज में सबसे ज्यादा 36 लोग लापता हैं। मंडी जिला में सात और कुल्लू जिला के निरमंड में पांच लापता लोगों की तलाश में बचाव टीमें जुटी हैं। शुक्रवार को साफ मौसम के कारण राहत और बचाव अभियान में गति मिली है। रामपुर के समेज में चल रहा बचाव कार्य दूसरे दिन सुबह छह बजे से आरम्भ कर दिया गया है। एसडीएम रामपुर निशांत तोमर घटनास्थल पर मौजूद हैं और राहत व बचाव कार्य की निगरानी कर रहे हैं। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू सुबह 11 बजे समेज पहुंचकर बचाव कार्यों का जायजा लेंगे और प्रभावितों से मिलेंगे।

85 किलोमीटर क्षेत्र में चल रहा सर्च ऑपरेशन

समेज खड्ड में बादल फटने की घटना में लापता 36 लोगों को ढूंढने के लिए करीब 85 किलोमीटर तक के क्षेत्र में तलाशी अभियान चल रहा है। शिमला के उपायुक्त अनुपम कश्यप ने बताया कि जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, जिला प्रशासन, पुलिस सहित सभी विभाग एकजुट होकर बचाव कार्य में लगे हुए है। इस बचाव कार्य को लेकर प्रभावित क्षेत्र को छह हिस्सों में बांटा गया है। उन्होंने कहा कि 36 लोगों के लापता होने की पुष्टि हो पाई है। इनमें से तीन लोग कुल्लू क्षेत्र से संबध रखते है जबकि 33 शिमला क्षेत्र में रह रहे थे। उन्होंने कहा कि एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, आर्मी, सीआईएसएफ, आईटीबीपी, पुलिस, होमगार्ड, अग्निशमन दल को बचाव कार्य टीम में शामिल किया गया है।

6 अगस्त तक भारी वर्षा का येलो अलर्ट जारी

शिमला के समेज, कुल्लू के निरमंड और मंडी की चुआरघाटी में आये सैलाब में करीब 48 घरों, 17 पुलों, 10 दुकानों, 30 वाहनों, तीन स्कूलों व एक डिस्पेन्सरी और दो पावर प्रोजेक्टों को नुकसान पहुंचा है। मंडी जिला में आज सरकारी व निजी शिक्षण संस्थानों को बंद रखा गया है। मौसम विभाग ने आज यानी शुक्रवार को कांगड़ा, शिमला, कुल्लू, मंडी, चम्बा और सिरमौर जिलों में बाढ़ आने की आशंका जताई है। आगामी छह अगस्त तक राज्य के विभिन्न हिस्सों में भारी वर्षा का येलो अलर्ट जारी किया गया है। बीते 24 घण्टों के दौरान राज्य में बारिश में कमी आई है। सियोबाग में 19, केलंग में 3, बजुआरा, मनाली, चम्बा व बिलासपुर में दो-दो मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड हुई है।

राहुल गांधी के बयान पर भाजपा का पलटवार, कहा-

जवाबदेही से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए कर रहे हैं बेतुका बयानबाजी

एजेंसी

नई दिल्ली। ईडी की छापेमारी की योजना को लेकर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बयान पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पलटवार किया है। भाजपा ने आज यहां कहा कि वायनाड भूस्खलन घटना में अपनी जवाबदेही से लोगों का ध्यान भटकाने के लिए इस तरह की बयानबाजी हो रही है।

भाजपा नेता राजीव चंद्रशेखर ने भाजपा मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में कहा कि राहुल गांधी अपनी जवाबदेही से बचने के लिए इस तरह की अपुष्ट बातें कर रहे हैं। जिन बातों के स्रोत का पता नहीं, बस अपनी मर्जी से आरोप लगाते रहते हैं। साफ है वे वायनाड से लोगों का ध्यान भटकाना चाहते हैं। राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस ने रणनीति के तहत ऐसा बयान दिया है। जब भी उनके सामने ऐसे कठिन सवाल या मुद्दे आते हैं, जिनका उनके पास कोई जवाब नहीं होता, तो वे उससे बचने की कोशिश करते हैं।

उन्होंने कहा कि वायनाड में संक्षिप्त उपस्थिति के बाद वे अपनी जिम्मेदारी से बचना चाह रहे हैं। वायनाड की इस घटना में 300 से अधिक लोग मारे गए हैं। उन्होंने वहां पिछले कई वर्षों में कुछ नहीं किया। आज वे वायनाड के मुद्दे और उसकी जवाबदेही की जांच से बचना चाहते हैं। पीड़ित कार्ड खेलना चाहते हैं लेकिन ऐसा बार बार नहीं कर सकते । राहुल गांधी लोगों को कुछ समय के लिए मूर्ख बना सकते हैं, लेकिन हर समय लोगों को मूर्ख बनाया नहीं जा सकता।

आशा किरण शेल्टर होम में 20 दिन में 13 बच्चों की संदिग्धावस्था में मौत

एजेंसी

नई दिल्ली। रोहिणी जिले के विजय विहार स्थित आशा किरण शेल्टर होम में पिछले 20 दिनों में 13 बच्चों की संदिग्धावस्था में मौत होने का मामला सामने आया है। इसे लेकर शासन और प्रशासन सतर्क हो गया है। दिल्ली सरकार ने मामले की मजिस्ट्रीयल जांच के आदेश दिए हैं।

जानकारी के अनुसार विजय विहार स्थित आशा किरण शेल्टर होम में इस साल 20 जुलाई तक 27 मानसिक स्वास्थ्य रोगियों की संदिग्ध हालात में में मौत हो चुकी है। बताया जा रहा है कि जुलाई महीने में 13 बच्चों की मौत का पता चलने पर एसडीएम की तरफ से रिपोर्ट तलब की गई है।

सूत्रों के अनुसार ज्यादातर बच्चों को अज्ञात कारणों से तबियत खराब होने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। 17 जुलाई, 19 जुलाई, 20 जुलाई को मानसिक स्वास्थ्य रोगी बच्चे अस्पताल में भर्ती कराए गए। 13 मृतकों में 12 से 20 वर्ष तक की उम्र के हैं। ऐसे में सवाल यह है कि क्या मौत के असली कारणों को छिपाने की कोशिश हो रही है। इस मामले में एक अधिकारी ने बताया कि सभी शवों का पोस्टमार्टम होगा, जिसकी रिपोर्ट आने के बाद मौत के सहीं कारणों का पता चल पाएगा। साल 2024 में संदिग्ध हालात में 27 मौतें हुई हैं, जिनमें जनवरी में तीन, फरवरी में दो, मार्च में तीन, अप्रैल में दो, मई में एक, जून में तीन और जुलाई में 13 मौतें हुई हैं।

विरासत | महाराष्ट्र सरकार ने भेजा सूची में शामिल करने के लिए प्रस्ताव

छत्रपति शिवाजी युग के 12 किले बनेंगे विश्व धरोहर

एजेंसी

मुंबई। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने छत्रपति शिवाजी महाराज युग के 12 किलों को विश्व धरोहर सूची में शामिल किए जाने का ऐलान किया है। उन्होंने बताया कि महाराष्ट्र के सैन्य इलाके की अनूठी विरासत को विश्व धरोहर स्थलों की सूची में शामिल करने के लिए एक प्रस्ताव भेजा गया है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि शिवाजी महाराज के किले सिर्फ वास्तुकला नहीं, बल्कि एक ऐतिहासिक विरासत हैं। राज्य सरकार निश्चित रूप से इस विरासत को वैश्विक स्तर पर ले जाने के लिए सभी आवश्यक प्रयास करेगी।

सह्याद्री गेस्ट हाउस में शुक्रवार को 'भारत के मराठा सैन्य क्षेत्र' के विश्व धरोहर नामांकन को लेकर राज्य सरकार के सांस्कृतिक कार्य विभाग और पुरातत्व एवं संग्रहालय निदेशालय की बैठक हुई। इस बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत की ओर से महाराष्ट्र के सैन्य इलाके की अनूठी विरासत को विश्व धरोहर स्थलों की सूची में शामिल करने के लिए एक प्रस्ताव भेजा गया है। इनमें महाराष्ट्र में सलहेर, शिवनेरी, लोहगढ़, रायगढ़, सुवर्णदुर्ग, पन्हाला, विजयदुर्ग, सिंधुदुर्ग, खंडेरी, राजगढ़, प्रतापगढ़ जैसे 11 किले और तमिलनाडु में जिंजी जैसे 12 किले शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने छत्रपति शिवाजी महाराज के 12 किलों को विश्व धरोहर नामांकन प्रक्रिया के लिए भेजने का निर्णय लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय पुरातत्व विभाग को विशेष धन्यवाद दिया है। उन्होंने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज एक असाधारण महापुरूष थे। स्वराज्य की स्थापना कर उन्होंने एक गौरवशाली इतिहास रचा। उनके समय में किले का निर्माण उनकी दूरदर्शिता को दर्शाता है। उन्होंने शत्रु को परास्त करने के लिए उस समय की तकनीक और वास्तुशास्त्र का अद्भुत आविष्कार दिखाया। हम शिव काल के इन किलों को पुनर्जीवित करने का प्रयास कर रहे हैं। आज भी ये किले मजबूत स्थिति में हैं। यहां के तहखाने में छत्रपति शिवाजी महाराज की स्मृतियां हैं। यह इतिहास हम सभी के लिए प्रेरणादायी है।

बैठक में इनकी रही उपस्थिति

बैठक में सांस्कृतिक कार्य मंत्री सुधीर मुनगंटीवार, कौशल विकास विभाग मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा, विश्व धरोहर समिति के 46वें सत्र के अध्यक्ष और यूनेस्को में भारत के राजदूत और स्थायी प्रतिनिधि विशाल शर्मा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव और सांस्कृतिक कार्य विभाग के प्रधान सचिव विकास खडगे, भारतीय पुरातत्व विभाग के अतिरिक्त महानिदेशक डॉ. जानविज शर्मा, टी. श्रीलक्ष्मी, अधीक्षक शुभा मुजुमदार, सांस्कृतिक कार्य विभाग की उप सचिव नंदा राउत, राज्य पुरातत्व एवं संग्रहालय निदेशालय के निदेशक सुजीत कुमार उगले आदि उपस्थित थे।

शिवालयों में सावन शिवरात्रि पर बम-बम भोले की गूंज

एजेंसी

नई दिल्ली। सावन की शिवरात्रि पर आज देशभर के सभी शिवालय, देवालय और अन्य पूजास्थल सुबह से बम-बम भोले के उद्घोष से गुंजायमान हैं। कांवड़ तीर्थयात्री पवित्र गंगाजल लेकर पहुंच रहे हैं। दोपहर से शिवरात्रि के शुभ मुहूर्त होने के साथ ही भगवान आशुतोष का जलाभिषेक शुरू हो जाएगा।

भारतीय जनता पार्टी ने सभी देशवासियों को सावन की शिवरात्रि की एक्स हैंडल पर बधाई दी है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के लगभग सभी देवालयों में सुबह से लोगों की भीड़ है। चांदनी चौक स्थित गौरी शंकर मंदिर में भक्त पूजा-अर्चना करते नजर आए। ऐसा ही दृश्य कालकाजी मंदिर में रहा। उत्तर प्रदेश के लगभग सभी स्थानों में सावन की शिवरात्रि धूम-धाम से मनाई जा रही है।

अयोध्याधाम के नागेश्वर नाथ मंदिर, वाराणसी के काशी विश्वनाथ मंदिर, प्रयागराज के मनकामेश्वर मंदिर और मेरठ के काली पलटन मंदिर में भोर से ही लोगों की कतार लगी हुई है। उत्तराखंड के हरिद्वार में मां गंगा के पावन तटों पर लोग स्नान कर शिवालयों की तरफ बढ़ रहे हैं। सबसे ज्यादा भीड़ कनखल स्थित दक्षेश्वर महादेव मंदिर में है।

संक्षिप्त खबरें

नोवाक ने सेमीफाइनल में किया प्रवेश

पेरिस। सर्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने चल रहे पेरिस ओलंपिक में स्टेफानोस सितसिपास के खिलाफ यादगार वापसी करते हुए पुरुष एकल स्पर्धा के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। क्वार्टर फाइनल में सितसिपास पर 6-3, 7-6 से जीत हासिल करने के बाद जोकोविच ने अपने पहले ओलंपिक स्वर्ण की उम्मीदों को जीवित रखा है।दूसरे सेट में, जोकोविच स्पष्ट रूप से असहज थे और उन्होंने अपने दाहिने घुटने के लिए दो बार फिजियो को बुलाया। अनुभवी टेनिस स्टार ने पहले सेट में आरामदायक जीत हासिल की। सितसिपास ने अपने मजबूत बैकहैंड खेल पर भरोसा किया, लेकिन जोकोविच के सटीक फोरहैंड शॉट्स ने उन्हें ग्रीस के टेनिस खिलाड़ी पर हावी होने दिया।शुरूआती सेट में 6-3 से जीत हासिल करने के बाद, जोकोविच ने अपने दाहिने घुटने में दर्द का अनुभव होने के बाद संघर्ष करना शुरू कर दिया।उपचार प्राप्त करने के बाद, सर्बियाई स्टार अपने मूवमेंट में अधिक आश्वस्त दिखे। उन्होंने 4-5 पर तीन सेट पॉइंट बचाए और अंत में दूसरा सेट 7-6 से जीतकर सेमीफाइनल के लिए अपना टिकट पक्का कर लिया।सेमीफाइनल में जोकोविच का सामना इटली के 11वें वरीय लोरेंजो मुसेट्टी होंगे। जिन्होंने मौजूदा ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अलेक्जेंडर जेवरेव को हराकर एक उल्लेखनीय उलटफेर किया। मुसेट्टी ने क्वार्टर फाइनल में जर्मन स्टार को 7-5, 7-5 से हराया।

पेरिस ओलंपिकः भारत का जूडो अभियान समाप्त

पेरिस। भारत की जूडो एथलीट तूलिका मान को शुक्रवार को पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की +78 किग्रा स्पर्धा से निराशाजनक हार का सामना करना पड़ा। चैंप-डी-मार्स एरेना में शुरूआती दौर में, उन्हें लंदन गेम्स चैंपियन क्यूबा की इडालिस ऑर्टिज ने इप्पोन द्वारा 0-10 के स्कोर से हराया। जूडो में, एक इप्पोन तब प्रदान किया जाता है जब एक जूडोका अपने प्रतिद्वंद्वी को महत्वपूर्ण बल और गति के साथ मैट पर फेंकता है। इसे 20 सेकंड के लिए ग्रैपलिंग होल्ड-डाउन के साथ प्रतिद्वंद्वी को स्थिर करके या जब विपरीत जुडोका हार मान लेता है, तब भी प्राप्त किया जा सकता है। लंदन 2012 के स्वर्ण के अलावा दो रजत पदक और एक कांस्य के साथ प्रभावशाली ओलंपिक रिकॉर्ड रखने वाली ऑर्टिज ने 25 वर्षीय भारतीय को मात्र 28 सेकंड में हरा दिया। अनुभवी क्यूबाई खिलाड़ी ने तूलिका को चोकहोल्ड में फंसा लिया, जिसके कारण उन्हें हार का सामना करना पड़ा। 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में रजत पदक जीतने वाली तूलिका की हार से खेलों में भारत के जूडो अभियान का अंत हो गया, क्योंकि वह इस खेल में देश की एकमात्र प्रतिनिधि थीं।

पेरिस में प्रत्येक भारतीय ओलंपिक पदक विजेता को एमजी कार उपहार में देने की घोषणा की

नई दिल्ली। 2024 पेरिस ओलंपिक में प्रत्येक भारतीय पदक विजेता को एमजी विंडसर कार उपहार में दी जाएगी। जेएसडब्ल्यू ग्रुप के चेयरमैन सज्जन जिंदल ने शुक्रवार को सोशल मीडिया एक्स पर उक्त घोषणा की। उन्होंने कहा कि एथलीट अपने समर्पण और सफलता के लिए सर्वश्रेष्ठ के हकदार हैं। उनकी यह घोषणा मॉरिस गैरेज इंडिया द्वारा जेएसडब्ल्यू ग्रुप के सहयोग से अपने नए सीयूवी एमजी विंडसर कार के आगमन की घोषणा के बाद आई। सज्जन जिंदल ने अपने एक्स पोस्ट पर लिखा, यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि टीम इंडिया के हर ओलंपिक पदक विजेता को जेएसडब्ल्यू एमजी इंडिया की ओर से एक बेहतरीन कार एमजी विंडसर उपहार में दी जाएगी! क्योंकि हमारे सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी अपने समर्पण और सफलता के लिए सर्वश्रेष्ठ के हकदार हैं! उन्होंने एमजी विंडसर के बारे में मॉरिस गैरेज इंडिया द्वारा शेयर किए गए एक पोस्ट को रिपोस्ट किया।1924 में स्थापित यू.के. स्थित कंपनी एमजी ने बताया कि यह कार विंडसर कैसल की वास्तुकला से प्रेरित है। कंपनी ने कहा, एमजी विंडसर। शाही विरासत के प्रतीक और प्रतिष्ठित वास्तुकला की उत्कृष्ट कृति, विंडसर कैसल से प्रेरित यह सीयूवी बेहतरीन शिल्प कौशल का उदाहरण है।

तीरंदाजी रिकर्व मिश्रित टीम स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे अंकिता-धीरज

लेस इनवैलिड्स में राउंड ऑफ 16 मैच में अंकिता-धीरज ने इंडोनेशियाई जोड़ी को 5-1 से हराया

एजेंसी

पेरिस। भारतीय तीरंदाज अंकिता भक्त और धीरज बोम्मदेवरा शुक्रवार को चल रहे पेरिस ओलंपिक में इंडोनेशिया के डायनंदा चोइरुनिसा और आरिफ पंगेस्टु को हराकर तीरंदाजी रिकर्व मिश्रित टीम स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। लेस इनवैलिड्स में राउंड ऑफ 16 मैच में अंकिता-धीरज ने इंडोनेशियाई जोड़ी को 5-1 से हराया। भारतीय तीरंदाजों ने क्रमशः 37-36 और 38-37 के स्कोर के साथ पहला और तीसरा सेट जीता। इस बीच, दूसरा सेट 38-38 से बराबर रहा। अंकिता-धीरज शुक्रवार शाम तीरंदाजी रिकर्व मिश्रित टीम स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में स्पेन की टीम का सामना करेंगे, जिसने पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना को शिकस्त दी।

आत्मविश्वास महसूस कर रहा हूं: धीरज बोम्मादेवरा

पेरिस। चल रहे पेरिस ओलंपिक में तीरंदाजी रिकर्व मिश्रित टीम स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में क्वालीफाई करने के बाद, भारत के निशानेबाज धीरज बोम्मादेवरा ने कहा कि वह और अंकिता भक्त 'आत्मविश्वास' महसूस कर रहे हैं। क्वालीफिकेशन राउंड के बाद बोम्मादेवरा ने कहा कि उन्होंने क्वार्टरफाइनल राउंड के लिए अपनी मानसिकता तय कर ली है। बोम्मादेवरा ने ओलंपिक डॉट कॉम के हवाले से कहा, हम काफी आश्वस्त महसूस कर रहे हैं। आज हमारी एक ही मानसिकता है कि हमें अपनी शूटिंग के लिए पछतावा नहीं होगा। पहले दिन जब मैंने टीम मैच खेले, तो मैंने सोचा कि दबाव विश्व कप चरणों की तुलना में 10 प्रतिशत अधिक होगा। लेकिन जब मैं यहां आया, तो यह 90 प्रतिशत अधिक था। उन्होंने कहा, मुझे एहसास हुआ कि ओलंपिक में दबाव की कोई सीमा नहीं है। इसलिए मैंने इसे स्वीकार करना शुरू कर दिया। मैंने दबाव का सामना करना शुरू कर दिया। मैंने खुद पर ध्यान केंद्रित किया। मैंने इसके लिए तैयारी की। भारतीय तीरंदाज अंकिता भक्त और धीरज बोम्मादेवरा ने शुक्रवार को चल रहे पेरिस ओलंपिक में इंडोनेशिया के दियानंदा चोइरुनिसा और आरिफ पंगेस्टू को हराकर तीरंदाजी रिकर्व मिश्रित टीम स्पर्धा के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। अंकिता-धीरज ने लेस इनवैलिड्स में राउंड ऑफ 16 के मैच में इंडोनेशियाई जोड़ी को 5-1 से हराया।

ओलंपिक क्लोजिंग सेरेमनी में दिखेंगे टॉम क्रूज

नयी दिल्ली। पेरिस 11 अगस्त के समापन समारोह के दौरान ओलंपिक हैंडओवर की तैयारी कर रहा है। इस दौरान टॉम क्रूज की प्रमुख उपस्थिति की योजना बनाई जा रही है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, 61 वर्षीय अभिनेता 11 अगसत को स्टेड डी फ्रांस में पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों के समापन समारोह के सितारों में से एक होंगे। वहीं लॉस एंजिल्स अगले ओलंपिक खेलों का मेजबान देश है जिस कारण उसे ओलंपिक ध्वज सौंपा जाएगा। समापन समारोह के विवरण को अबतक गुप्त रखा गया है। लेकिन ये पता है कि एलए मेयर करेन बैस को पेरिस ऐनी हिडाल्गो से ओलंपिक ध्वज प्राप्त करना है। इसी बीच डेडलाइन को एक सूत्र ने बताया कि एक प्रमुख हॉलीवुड प्रोडक्शन की उम्मीद करें। सीएसए-रेप्ड क्रूज की भागीदारी और समापन समारोह के हैंडओवर के बारे में अन्य विवारणों पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

स्टार जिमनास्ट सिमोन ने जीता स्वर्ण

एजेंसी

पेरिस। अमेरिकी स्टार जिमनास्ट सिमोन बाइल्स ने पेरिस ओलंपिक में महिलाओं के ऑल-अराउंड फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता।

अमेरिकी जिमनास्ट ने कुल 59.131 अंकों के साथ ब्राजील की रेबेका एंड्रेड को पीछे छोड़ा। उनकी हमवतन और टोक्यो ओलंपिक विजेता सुनीसा ली ने कुल 56.465 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता। रेबेका ने 57.932 अंकों के साथ रजत पदक जीता, जो ग्रीष्मकालीन खेलों में उनका छठा पदक था। सुनीसा पिछले 15 महीनों में कई किडनी रोगों से जूझ रही हैं। लेकिन जब स्थिति की मांग हुई, तो उन्होंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और पोडियम फिनिश हासिल की। महिलाओं की ऑल-अराउंड स्पर्धा में बाइल्स की जीत ने चल रहे पेरिस ओलंपिक में उनका दूसरा स्वर्ण पदक चिह्नित किया। वह लारिसा लैटिनिना और वेरा कैस्लावस्का के साथ दो बार की ओलंपिक ऑल-अराउंड चैंपियन के अनन्य क्लब में शामिल हो गईं।

पहले दो चक्करों के बाद अमेरिकी जिमनास्ट ब्राजीलियाई से पीछे थीं। प्रतियोगिता के पहले भाग में अस्थिर असमान बार रूटीन के बाद, बाइल्स ने खुद को पीछे पाया। दूसरे चक्कर के अंत में, रेबेका 29.766 अंकों के साथ शीर्ष पर थीं। उनके बाद क्रमशः 29.566 अंकों और 29.566 अंकों के साथ अल्जीरिया की कायलिया नेमोर और 29.566 अंकों के साथ सिमोन बाइल्स का स्थान रहा। हालांकि, दूसरे चक्कर के बाद, बाइल्स पूरी तरह से लय मेम आ गईं और रेबेका को शीर्ष से हटा दिया।

तीसरे चक्कर के बाद, बाइल्स 44.065 अंकों के साथ शीर्ष पर

थीं। उन्होंने बढ़त बरकरार रखी और स्वर्ण पदक हासिल किया। अपनी जीत के बाद, बाइल्स के विश्व और ओलंपिक पदकों की संख्या अब 39 हो गई है। इसके साथ ही, अमेरिकी जिमनास्ट के नाम सर्वाधिक विश्व चैंपियनशिप पदक (30) और सर्वाधिक महिला ऑल-अराउंड विश्व खिताब का रिकॉर्ड भी है।

पेरिस ओलंपिक रोइंग ,पुरुष एकल स्कल्स में 23वें स्थान पर रहे बलराज

एजेंसी

पेरिस। भारत के बलराज पंवार शुक्रवार को फाइनल डी में पांचवें स्थान पर रहने के बाद पेरिस 2024 ओलंपिक रोइंग प्रतियोगिता में पुरुष एकल स्कल्स स्पर्धा में 23वें स्थान पर रहे। पेरिस 2024 में एकमात्र भारतीय नाविक बलराज ने 7:02.37 का समय निकाला, जो पेरिस 2024 में उनका सर्वश्रेष्ठ समय था। मोनेगास्क रोवर क्वेंटिन एंटोगनेली ने 6:54.93 के साथ फाइनल डी जीता।

हालांकि पुरुष एकल स्कल्स स्पर्धा में बलराज की अंतिम स्थिति, जिसमें 33 नाविकों ने प्रतिस्पर्धा की थी, कागज पर बहुत प्रभावशाली नहीं दिखती, लेकिन हरियाणा के भारतीय सेना के जवान ने अपने पूरे अभियान में लगातार प्रगति दिखाई। पिछले शनिवार को बलराज ने 7:07.11 का समय लेकर हीट 1 में छह रोवर्स के बीच चौथा स्थान हासिल किया था, लेकिन रविवार को रेपेचेज 2 हीट में 7:12.41 के साथ दूसरे स्थान पर आने के बाद रेपेचेज के माध्यम से क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। मंगलवार को अपनी क्वार्टर फाइनल रेस में बलराज 7:05.10 का समय लेकर पांचवें स्थान पर रहे और पदक की दौड़

से बाहर हो गए। चूंकि ओलंपिक रोइंग प्रतियोगिताओं में सभी नौकाओं को रैंक दी गई है, बलराज ने 13 से 24वें स्थान के लिए प्रतिस्पर्धा करने के लिए सेमीफाइनल सी/डी में प्रवेश किया। बलराज, जो पिछले साल एशियाई खेलों में कांस्य पदक से चूक गए थे, ने अप्रैल में कोरिया गणराज्य के चुंगजू में एशियाई और ओसियनियन रोइंग ओलंपिक क्वालीफिकेशन रेगाटा में कांस्य पदक जीतकर भारत के पेरिस 2024 दल में अपना स्थान अर्जित किया।

पेरिस ओलंपिक से बाहर होने पर सिंधु ने कहा- पहला सेट जीत जाती तो नतीजा कुछ और होता

एजेंसी

पेरिस। भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु का मानना है कि अगर वह पहला सेट जीत जातीं तो पेरिस ओलंपिक में महिला एकल स्पर्धा के प्री-क्वार्टरफाइनल का परिणाम अलग हो सकता था। छठी वरीयता प्राप्त चीनी शटलर ही बिंग जियाओ के खिलाफ राउंड ऑफ 16 में सिंधु को हार का सामना करना पड़ा। महिला एकल स्पर्धा में उनका अभियान सीधे सेटों में 21-19, 21-14 से हार के साथ समाप्त हुआ। पहला सेट काफी करीबी मुकाबला था, भले ही जियाओ ने सेट के शुरूआती चरणों में अच्छी बढ़त हासिल कर ली थी, लेकिन सिंधु ने वापसी करते हुए स्कोर 19-19 से बराबर कर दिया। शुरुआती सेट का निर्णायक क्षण तब आया जब सिंधु ने 20वें अंक के लिए निर्णय को चुनौती दी। शटलकॉक लाइन पर आ गया, जिससे चीनी शटलर को गेम में आगे बढ़ने का मौका मिल गया।

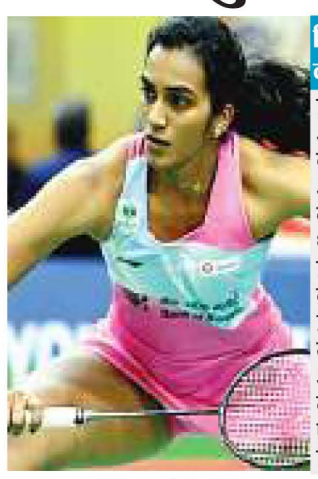

जियाओ ने सिंधु को वापसी करने का कोई मौके नहीं दिया

सिंधु ने मैच के बाद कहा, मेरा आत्मविश्वास बहुत अधिक होता। दूसरे सेट में, जियाओ के खेल की अथक शैली ने सिंधु को वापसी करने का कोई मौके नहीं दिया और खेल धीरे-धीरे सिंधु के हाथों से फिसल गया। जियाओ ने 21-14 से जीत के साथ दूसरा सेट सुरक्षित करके प्रभावशाली प्रदर्शन किया।सिंधु ने कहा, मुझे लगता है कि दूसरे गेम में, शुरूआत अच्छी रही, और फिर उसने बढ़त बना ली। कुल मिलाकर, मुझे लगा कि यह एक दुखद दिन था, लेकिन मुझे अपना सिर ऊंचा रखना होगा।

सर क्लाइव लॉयड ने वित्तीय असमानता को हल करने का किया आग्रह

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के पूर्व दिग्गज क्रिकेटर सर क्लाइव लॉयड ने वैश्विक राजस्व वितरण मॉडल में सुधार की मांग की है। हाल ही में ग्रेनाडा में कैरेबियाई क्षेत्र के सर्वोच्च सम्मान ऑर्डर ऑफ द कैरेबियन कम्युनिटी (ओसीसी) को प्राप्त करते हुए, लॉयड ने मांग की है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) वेस्टइंडीज को वित्तीय असमानता के लिए मुआवजा दे। बारबाडोस टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, राजस्व वितरण मॉडल के कष्टप्रद मुद्दे को संबोधित करते हुए, लॉयड ने विश्व क्रिकेट समुदाय को याद दिलाया कि जब वेस्टइंडीज की टीम अपने शिखर पर थी, तो क्षेत्रीय बोर्ड के लिए कोई वित्तीय पुरस्कार नहीं था। उन्होंने तर्क दिया, अब जबकि वैश्विक खेल एक मजबूत वित्तीय स्थिति में है, यह विंडीज के लिए उचित हिस्सा पाने का समय है। उन्होंने कहा, हमारे वर्चस्व के वर्षों में हमने कोई अतिरिक्त धन नहीं मांगा। लेकिन अब मुझे बताया गया है कि जब वे आईसीसी में धन का वितरण करते हैं, तो इंग्लैंड को 180 मिलियन डॉलर, ऑस्ट्रेलिया को 180 मिलियन डॉलर, भारत को 180 मिलियन डॉलर और हमें 80 मिलियन डॉलर मिलते हैं।

व्यापार

आकलन वर्ष 2024-25 के लिए 7.28 करोड़ रिटर्न के साथ बना नया रिकॉर्ड

एजेंसी

नई दिल्ली। आकलन वर्ष 2024-25 के लिए निर्धारित समय सीमा 31 जुलाई तक रिकॉर्ड 7.28 करोड़ आयकर रिटर्न (आईटीआर) फाइल किए गए। इनमें नई कर व्यवस्था के तहत 5.27 करोड़ आईटीआर दाखिल हुए। 31 जुलाई को एक ही दिन में 69.92 लाख से अधिक रिटर्न दाखिल किये गए, जबकि 58.57 लाख करदाताओं ने पहली बार आयकर रिटर्न फाइल किया।

वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को जारी बयान में बताया कि आकलन वर्ष 2024-25 के लिए रिकॉर्ड संख्या में 7.28 करोड़ आईटीआर दाखिल किए गए है, जो आयकर रिटर्न का एक नया रिकॉर्ड है। पिछले साल 6.77 करोड़ आईटीआर दाखिल किए गए थे। कुल 7.28 करोड़ आईटीआर में से नई कर व्यवस्था के तहत 5.27 करोड़ रिटर्न दाखिल किए गए हैं। पुरानी कर व्यवस्था में दाखिल रिटर्न फाइल करने वालों की संख्या 2.01 करोड़ है।

समय सीमा के अंतिम दिन 31 जुलाई को 69.92 लाख से अधिक करदाताओं ने रिटर्न दाखिल किए। पहली बार आईटीआर दाखिल करने वालों की संख्या 58.57 लाख थी, जो कर आधार के विस्तार का एक अच्छा संकेत है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि करदाताओं और कर पेशेवरों ने समय पर अपने अनुपालन किए, जिससे आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने में तेजी आई और आईटीआर दाखिल करने का एक नया रिकॉर्ड बना। यह 31 जुलाई, 2023 तक आकलन वर्ष 2023-24 के लिए दाखिल किए गए कुल 6.77 करोड़ आईटीआर से 7.5 फीसदी अधिक है।

इरडा ने एचडीएफसी लाइफ पर 2 करोड़ रुपये का लगाया जुर्माना

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) ने एचडीएफसी लाइफ पर सख्त कार्रवाई की है। नियामक ने नियमों का उल्लंघन करने के लिए 2 करोड़ रुपये का जुमार्ना लगाया है। एक करोड़ रुपये का जुर्माना पॉलिसीधारकों के हितों की सुरक्षा से संबंधित मुद्दों के लिए और सेवाओं के आउटसोर्सिंग में अनियमितताओं के कारण नियामक ने एक करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

एचडीएफसी लाइफ ने रेगुलेटरी फाइलिंग में जानकारी दी है कि इरडा नियमों का उल्लंघन करने के लिए उसके ऊपर कुल 2 करोड़ रुपये का जुमार्ना लगाया है। कंपनी के मुताबिक नियामक ने सितंबर, 2020 में वित्त वर्ष 2017-18, 2018-19, और 2019-20 को कवर करते हुए किए गए ऑनसाइट निरीक्षण के बाद जुर्माने की यह कार्रवाई की गई है। कंपनी के मुताबिक इरडा ने एक अगस्त, 2024 को जुमार्ने का यह आदेश जारी किया था, जिसमें कहा गया था कि एक करोड़ रुपये का जुमार्ना पॉलिसीधारकों के हितों की सुरक्षा से संबंधित मुद्दों के लिए लगाया गया है। इसके अलावा सेवाओं के आउटसोर्सिंग में अनियमितताओं के कारण नियामक ने एक करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। बीमा नियामक ने कंपनी को अतिरिक्त दिशा-निर्देश और सलाह जारी की है। एचडीएफसी लाइफ को निर्देश दिया गया है कि वह निर्धारित समय सीमा के भीतर इन दिशा-निर्देशों का पालन करे। इसके साथ ही पहचानी गई कमियों को दूर करे और नियामक मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करे।

वैश्विक दबाव में लुढ़का शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी में बड़ी गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। हिजबुल्ला द्वारा इजराइल पर किए गए हमले का दुनिया भर के स्टॉक मार्केट पर असर हुआ है। भारतीय बाजार भी इस जियो-पॉलिटिकल टेंशन की वजह से आज औंधे मुंह गिरकर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। ये स्थिति तब है, जब 1 दिन पहले गुरुवार को ही घरेलू शेयर बाजार ने रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचने में सफलता हासिल की थी। लेकिन जियो-पॉलिटिकल टेंशन के कारण आज के कारोबार की शुरूआत ही बड़ी गिरावट के साथ हुई। पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.89 प्रतिशत और निफ्टी 0.92 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे।

शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचडीएफसी बैंक, डॉ रेड्डीज लेबोरेट्रीज, अपोलो हॉस्पिटल और टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट्स के शेयर 1.07 प्रतिशत से लेकर 0.50 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर टाटा मोटर्स, टाटा स्टील, मारुति सुजुकी, आयशर मोटर्स और ओएनजीसी के शेयर 2.99 प्रतिशत से लेकर 2.34 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते नजर आ रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,163 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 605 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,558 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे।

संक्षिप्त समाचार

रॉयल पिंक सिटी लीग में सुपर हॉक वर्सेज फीयरलेस बीच खेला गया फाइनल मैच

● खेलों से खिलाड़ीयों में होता शारीरिक एवं मानसिक विकास :- सोनिया कौशिक

चमकता राजस्थान। जयपुर (खलील कुरैशी) 'रॉयल पिंक सिटी लीग के चलते हुए सुपर हॉक वर्सेस फीयरलेस बियर के बीच में हुआ फाइनल मैच उसके दौरान पहले बैटिंग करके सुपर हाक्स ने 155 का टारगेट दिया और फीयरलेस बियर ने टारगेट 18 ओवर में ही पूरा कर लिया उल्लेखनीय है कि मैन ऑफ द मैच आशीष रहे तथा इस क्रिकेट लीग के ऑर्गेनाइजर गौरव सिंह चौहान और स्पांसर रहे डागर इंडस्ट्रीज के मालिक देवराज डागर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्राइट फ्यूचर स्कूल के प्रिंसिपल खुश शर्मा और टीवी 24 न्यूज़ चैनल के राजस्थान हेड सोनिया कौशिक रहे इस दौरान सोनिया कौशिक ने अपने संबोधन में खिलाड़ियों का हौसला अफजाई करते हुए कहा कि खेलों से हमेशा खिलाडियों का शारीरिक मानसिक विकास होता हैं इस तरह के खेल प्रतियोगिता से खेल प्रतिभाओं को अपना खेल कौशल दिखाने का अवसर भी मिलता है।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बिजली, पानी की समस्या को लेकर बीजेपी के खिलाफ किया प्रदर्शन

चमकता राजस्थान। भरतपुर (राजवीर सिंह) राजस्थान में भाजपा सरकार द्वारा की जा रही अघोषित बिजली कटौती तथा बिजली के दरों में वृद्धि करने व पूरे प्रदेश में पेयजल के पानी की उपलब्धता सुचारू नहीं करने एवं राज्य की बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर भरतपुर में विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान प्रदर्शन में भरतपुर जिलाध्यक्ष श्री दिनेश शूपा, प्रदेश महासचिव गिरीश जौहरी, प्रदेश सचिव प्रशांत उपाध्याय, पूर्व पीसीसी सदस्य धर्मेंद्र शर्मा,शहर अध्यक्ष दयाचंद पचौरी, यूथ कांग्रेस अध्यक्ष पुष्पेंद्र बनो, महिला जिला अध्यक्ष रिकी सिंह, एनएसयूआई जिला अध्यक्ष विकेश फौजदार, एवं जिले के कांग्रेस कार्यकर्ताओं सहित अनेक पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

विधान सभा में राज्य में पेयजल की स्थिति पर चर्चा

जनता को पानी के लिए परेशान नहीं होने दिया जाएगा

राज्य सरकार पेयजल से जुड़ी हर समस्या के समाधान के लिए तत्पर

ब्राह्मणी नदी लिंक परियोजना से मिलेगा जयपुर को पर्याप्त पानी : जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री

संशोधित पीकेसी लिंक परियोजना से राज्य को मिलेगा 3400 एमसीएम पानी

चमकता राजस्थान

जयपुर!(खलील कुरैशी) 02 अगस्त। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने शुक्रवार को राज्य विधान सभा में कहा कि राज्य सरकार पेयजल से जुड़ी हर समस्या के समाधान के लिए तत्पर है। प्रदेश में जनता को पानी के लिए परेशान नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनता के पैसे का सदुपयोग कर पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी।जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री प्रदेश में पेयजल की स्थिति पर चर्चा के बाद सदन में अपना जवाब दे रहे थे। उन्होंने बताया कि राजस्थान में देश के क्षेत्रफल का करीब 10 प्रतिशत हिस्सा है और देश की लगभग 5.50 प्रतिशत आबादी यहां निवास करती है। परन्तु, देश के कुल जल का लगभग 1.30 प्रतिशत ही यहां उपलब्ध है। चौधरी ने कहा कि जल जीवन मिशन से सर्वाधिक लाभान्वित होने वाला प्रदेश राजस्थान था। लेकिन पूर्ववर्ती सरकार ने बिना पानी की उपलब्धता के ही ट्यूबवेल व टंकियों का निर्माण करवा दिया, जिसके चलते उपभोक्ताओं को परेशानी हो रही है। उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत 93 हजार 426 करोड़ में से महज 19 हजार 336 करोड़ की राशि ही खर्च की गई। योजना को क्रियान्वित करने में राज्य देश में 33वें स्थान पर रहा। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री ने बताया कि जल जीवन मिशन के अंतर्गत 45-45 प्रतिशत राशि राज्य व केन्द्र सरकार तथा 10 प्रतिशत की राशि जन सहभागिता द्वारा वहन करने का प्रावधान था। पूर्ववर्ती सरकार ने मार्च, 2023 में जन सहभागिता का 10 प्रतिशत मैचिंग शेयर माफ करने की घोषणा कर दी, लेकिन जो लोग राशि जमा करवा चुके थे उन्हें राशि वापस नहीं लौटाई गई।

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकार ने ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट (ईआरसीपी) को व्यवहार्य नहीं बनाया, जिसके चलते इसे क्रियान्वित करने में व्यवधान आए। केन्द्र सरकार 'नदी जोड़ो' परियोजना के तहत इसे शामिल कर 90 प्रतिशत हिस्सा राशि देने को तैयार थी, लेकिन पूर्ववर्ती सरकार इस पर सहमत नहीं हुई। उन्होंने बताया कि हमारी सरकार बनते ही त्रिपक्षीय एमओयू हुआ, जिसके तहत अब संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चम्बल (पीकेसी) लिंक परियोजना की डीपीआर तैयार हो रही है। इससे राज्य को 3400 मिलियन क्यूबिक मीटर (एमसीएम) पानी मिलेगा। वर्तमान में परियोजना की अनुमानित लागत 48 हजार करोड़ रुपये है तथा इसमें वृद्धि होने की भी संभावना है। श्री चौधरी ने कहा कि परियोजना की लागत का 90 प्रतिशत पैसा केन्द्र सरकार देगी। चौधरी ने कहा कि जयपुर को पानी की पर्याप्त उपलब्धता के लिए ब्राह्मणी नदी लिंक परियोजना पर कार्य चल रहा है। उन्होने बताया कि यह लगभग 8300 करोड़ रुपये लागत की 148 कि.मी. की परियोजना है, जिसमें 16 कि.मी. की टनल बनेगी। योजना से 500 एमसीएम पानी उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि राज्य के हिस्से का जो पानी मध्य प्रदेश ने उपयोग कर लिया, उसका भी आकलन करवाया जा रहा है।जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री ने बताया कि इस बार गर्मी के सीजन में कंटीजेंसी प्लान के तहत 461 करोड़ रुपये व्यय कर टैंकर से पानी की उपलब्धता, हैण्ड पम्प मरम्मत, नये हैण्ड पम्प लगाने व नलकूप आदि के कार्य किए गए। उन्होंने बताया कि पहली बार जिला स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित कर पेयजल से जुड़ी समस्याओं का समाधान किया गया। प्रदेश में 40 लाख अतिरिक्त पेयजल कनेक्शनों को जल उपलब्ध करवाया गया। श्री चौधरी ने बताया कि जलदाय विभाग और पंचायती राज विभाग के अधीन कार्यरत हैण्ड पम्प्स अब एक ही विभाग के अधीन होंगे। उन्होंने कहा कि विभाग में 25 हजार पदों पर भर्ती का प्रस्ताव मांगा गया है। इसके अंतर्गत विभिन्न तकनीकी पदों के साथ ही अभियंताओं के पदों पर भर्ती की जाएगी।

अंगदान जन-जागरूकता अभियान में श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए जयपुर जिला सम्मानित

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी)। 02 अगस्त। अंगदान जन-जागरूकता अभियान के तहत राज्य स्तरीय सम्मान समारोह मे श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए जयपुर जिले को सम्मानित किया गया। चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने जिला जयपुर प्रथम व जिला जयपुर द्वितीय को सम्मानित किया गया। अंगदान की ऑनलाइन शपथ मे जिला जयपुर प्रथम व जयपुर द्वितीय को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है। इस श्रेणी मे जिला डूंगरपुर को प्रथम व जिला सीकर को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।जिला जयपुर प्रथम की ओर से मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रवि शेखावत, डीपीओ अखिलेश शर्मा, डीपीएम एनयूएचएम प्रशांत शर्मा, डॉ. विक्रम सिंह और जिला जयपुर द्वितीय की ओर से मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. हंसराज भदालिया, डीपीओ रिचा सारस्वत, डीपीएम एनयूएचएम डॉ. चित्रा माहेश्वरी और किरण मंथ ने सम्मान ग्रहण किया।सम्मान समारोह में अतिरिक्त मुख्य सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य श्रीमती शुभ्रा सिंह, मिशन निदेशक, एनएचएम डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी सहित राज्य स्तर से अन्य उच्चाधिकारीगण उपस्थित रहे। इस अवसर पर मिशन निदेशक, एनएचएम डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने अंगदान के प्रति व्यापक जन-जागरूकता हेतु चिकित्सा संस्थानो पर ग्रीन लाईटिंग किए जाने के लिए निर्देशित किया।

पुलिस अधीक्षक की सराहनीय पहल, नदबई निवासी पति-पत्नी के बीच कराया राजीनामा

चमकता राजस्थान

नदबई,(राजवीर सिंह)। भरतपुर जिले में पुलिस अधिकारियों की सराहनीय पहल नजर आई। जब, पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा ने पति-पत्नी के बीच सुलह कराते हुए करीब एक साल से अलग रह रहे पति-पत्नी के दाम्पत्य जीवन को बचाया। बाद में पति-पत्नी ने पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में एक-दूसरे को माला पहनाते हुए सुख-दुख में साथ रहने का संकल्प लिया।

गौरतलब है कि, करीब एक साल पहले पति-पत्नी ने एक-दूसरे के खिलाफ आरोप लगाते हुए नदबई थाने में मामला दर्ज कराया। ग्रामीण पुलिस सीओ आकांक्षा कुमारी व नदबई थाना प्रभारी दौलत साहू ने दोनों पक्षों के बीच काउन्सलिंग करते हुए समझाइस करने का प्रयास किया। बाद में जिला एसपी मृदुल कच्छावा व अनुसंधान अधिकारी अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय डॉ लालचंद कायल ने पति-पत्नी सहित दोनों पक्षों के परिजनों को कार्यालय में बुलाकर समझाइस की। जिला एसपी की समझाइस पर पति-पत्नी ने भविष्य में विवाद नही करने व एक साथ रहने के लिए सहमत होने को कहा। बाद में पति-पत्नी ने पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में ही एक-दूसरे का माला पहनाकर व मिठाई वितरित करते हुए पुलिस अधिकारियों का आभार जताया।

जेडीए एवं एनएचएआई की हुई महत्वपूर्ण बैठक, विभिन्न बिंदुओं पर हुई चर्चा

चमकता राजस्थान। जयपुर!(खलील कुरैशी) 02 अगस्त। जयपुर विकास आयुक्त मंजू राजपाल की अध्यक्षता में जेडीए अधिकारियों एवं एनएचएआई अधिकारियों की बैठक आयोजित हुई। बैठक में विभिन्न बिंदुओं पर विस्तृत विचार-विमर्श के उपरान्त एन.एच.ए.आई. के अधिकारियों एवं जेडीए अधिकारियों को निर्देश दिये गये। भारी वाहनों के तेज घुमाव / यू-टर्न स्थानों पर उत्पन्न खड्डों पर सड़क निर्माण कार्य के लिए एन.एच.ए.आई द्वारा बताया गया कि इसके लिए सीमेन्ट कॉन्क्रीट रोड का कार्य किया जा रहा है और लगातार इन स्थानों पर रिपेयर कार्य किया जाता है। महापुरा की तरफ कार्य पूर्ण कर दिया है। डी.पी.एस. स्कूल कट पर कार्य 15 सितम्बर 2024 तक पूर्ण कर लिया जाएगा। जेडीसी ने एन.एच.ए.आई. के अधिकारियों को सर्विस सड़कों व अन्य सड़कों को उचित रूप से संधारित करने के निर्देश दिये। बैठक में एक्सप्रेस हाईवे अजमेर रोड पर निर्माण कार्य एक्सप्रेस हाईवे के दोनों तरफ की सर्विस रोड पर सडक मरम्मत कार्य पर चर्चा हुई। एन.एच.ए.आई. के अधिकारियों द्वारा बताया गया कि सर्विस रोड पर अधिकांश जगह सड़कों की मरम्मत की जा चुकी है एवं जो स्थान छोड़े गए हैं, वहाँ सीमेन्ट कॉक्रीट रोड़ का कार्य किया जा रहा है। जेडीए द्वारा शेष मरम्मत कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिये गये।बैठक में अजमेर रोड की सड़को पर जल भराव से उत्पन्न समस्याओं के निराकरण पर विचार–विमर्श किया गया। बैठक में बताया गया कि 200 फीट अजमेर रोड से 14 नम्बर सीकर रोड तक सर्विस रोड पर एवं पुलियाओं के नीचे पानी भराव की समस्या रहती है। जेडीसी ने जविप्रा एवं एन.एच.ए.आई. अधिकारियों को निर्देश दिये कि 7 दिवस में संयुक्त निरीक्षण कर पानी के निकास हेतु इंटीग्रेटेड योजना बनाकर समाधान किया जाए।बैठक में आगरा रोड पर एन.एच.ए.आई. द्वारा निर्माणाधीन क्लोवर लीफ के लिए जविप्रा द्वारा उपलब्ध करवाई भूमि में अवस्थित स्ट्रक्चर्स को हटाने हेतु कहा गया। बैठक में बताया गया कि उक्त भूमि में शेष रहे स्ट्रक्चर्स के मुआवजे का प्रकरण कोर्ट में प्रक्रियाधीन है। बैठक में इस संबंध में निर्णय लिया गया कि जेडीए द्वारा रेफरेन्स पिटिशन के साथ मुआवजे की राशि कोर्ट में जमा करा दी जायेगी, तदोपरान्त भूमि एन.एच.ए.आई. को उपलब्ध हो जायेगी।

सैकड़ो जलदाय कर्मचारियों ने स्व नेता की याद में किया रक्तदान

शिविर में 156 रक्त हुआ संग्रहण

जलदाय विभाग के जनसेवक एवं लोकप्रिय नेता रहे स्वर्गीय मांगी लाल शर्मा की 31 वीं पुण्यतिथि पर आयोजित हुआ स्वैच्छिक रक्तदान शिविर

सेवाभावी कर्मचारी अपने सद्कर्मों से हमेशा अमर अजर एवं पथ-प्रदर्शक रहता है: अरुण चतुर्वेदी

● रक्तदान सबसे महान दान होता हैं इससे बचायीं जा सकती हैं आवश्यक जनों की जानः- जगदीश चन्द्र कातिल

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी) जयपुर 2 अगस्त 2024 जलदाय विभाग के सैकड़ों जलदाय कर्मचारी एवं खिलाड़ियों सहित समाज सेवको ने रक्तदान किया ये शिविर जवाहर नगर के जनउपयोगी भवन में आयोजित हुआ ,यह शिविर जलदाय विभाग के प्रथम लोकप्रिय कर्मचारी नेता स्व मांगीलाल शर्मा की 31 वी पुण्यतिथि पर आयोजित हुआ शिविर में 156 यूनिट रक्तदान हुआ यह आयोजन पीएचईडी स्पोर्ट्स क्लब सहित जलदाय कर्मचारी संघ के तत्वाधान में हुआ ।आयोजक व कर्ता जलदाय कर्मचारी संघ के प्रदेशाध्यक्ष संजय सिंह शेखावत जिला अध्यक्ष ताराचंद सैनी कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष केदार शर्मा महामंत्री राजेन्द्र सिंह सोलंकी उपाध्यक्ष रघुवीर सिंह ने बताया कि हमारे लोकप्रिय कर्मचारी नेता रहे स्वर्गीय मांगीलाल शर्मा की पुण्यतिथि पर हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी विशाल रक्तदान शिविर एवं श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया जिसमें प्रदेश के समस्त जलदाय कर्मचारी ने भारी संख्या में भाग लिया और उनकी याद में रक्तदान कर श्रद्धांजलि दी कार्यक्रम में राष्ट्रीय कार्यकारिणी भाजपा सदस्य डॉ अरुण चतुर्वेदी भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी पूर्व सांसद रामचन्द्र बोहरा और फर्स्ट इंडिया न्यूज़ हेड जगदीश चन्द्र कातिल, श्रम मंत्री जगदीश राज राजनीति के पूर्व मंत्री चन्द्रराज सिंघवी भाजपा नेता आशीष मेहता नीरज अग्रवाल महेंद्र पहाड़िया सहित सैकड़ों जलदाय अभियन्ता मंत्रालय वर्ग तकनीकी कर्मचारी सहित सैकड़ो लोगो ने भाग लिया।इस मौके पर लोकप्रिय नेता स्वर्गीय मांगीलाल शर्मा की पुण्यतिथि पर पौधारोपण भी किया गया कर्मचारी संघ ने घोषणा की की संपूर्ण प्रदेश में विभिन्न चलता है कार्यालय में शर्मा की याद में पौधारोपण किया जाएगा इस मौके पर संघ के प्रदेश अध्यक्ष संजय सिंह शेखावत प्रदेश कार्यालय मंत्री जगदीश प्रसाद गुप्ता जयपुर वृत अध्यक्ष मोहनलाल पालीवाल ने रक्तदाताओं को प्रशंसा पत्र वी दुपट्टा पहन कर सम्मानित किया।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929